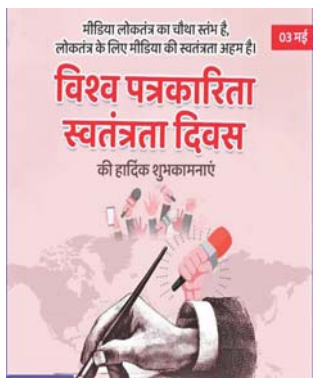

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 266/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 03 मई 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

पहलगाम हमले पर पीएम मोदी बोले-

आतंकवाद मानवता के लिए खतरा है, निर्णायक कार्रवाई जल्द करेंगे

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला की संवेदनाओं के लिए मैंने उनका आभार व्यक्त किया है। हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में समर्थन के लिए अंगोला को धन्यवाद दिया है।

अंगोला के राष्ट्रपति की भारत यात्रा ऐतिहासिक पल

अंगोला के राष्ट्रपति भारत दौरे पर हैं। शनिवार को अंगोला के राष्ट्रपति के साथ साझा प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने कहा कि %मैं राष्ट्रपति लोरेंसू और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में हार्दिक स्वागत करता हूं। यह एक ऐतिहासिक पल है। 38 वर्षों के बाद, अंगोला के राष्ट्रपति की भारत यात्रा हो रही है। उनकी इस यात्रा से, न केवल भारत-अंगोला संबंधों को नई दिशा और गति मिल रही है, बल्कि भारत और अफ्रीका साझेदारी को भी बल मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि %इस वर्ष, भारत और अंगोला अपने राजनयिक संबंधों की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और अंगोला

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि %मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी है कि अंगोला की सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए 20 करोड़ डॉलर की डिफेन्स क्रेडिट लाइन को स्वीकृति दी गई है। रक्षा प्लेटफॉर्म्स की मरम्मत और बदलाव और सप्लाई पर भी बात हुई है। अंगोला की सशस्त्र सेनाओं की ट्रेनिंग में सहयोग करने में हमें खुशी होगी। साथ ही डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पेस तकनीक, क्षमता निर्माण के क्षेत्र में अंगोला के साथ अपनी क्षमताएं साझा करेंगे।

लोकप्रियता में पाक पर अव्वल पीएम मोदी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ न केवल सैन्य व आर्थिक रूप से बल्कि सोशल मीडिया की लोकप्रियता के मामले में भी भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने कहीं नहीं टिकते। यूट्यूब पर पाक पीएम शहबाज़ शरीफ़ सब्सक्राइबर, कमाई और रैंकिंग के मामले में पीएम नरेंद्र मोदी से कई स्तर पीछे हैं। दरअसल, जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव बढ़ गया है। जंग जैसे हालात बन गए हैं। इस बीच भारत ने डिजिटल स्ट्राइक करते हुए 2 मई 2025 को पाकिस्तान प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ का यूट्यूब चैनल भी ब्लॉक कर दिया है। पाकिस्तान पीएम शहबाज़ शरीफ़ का यूट्यूब चैनल भारत में ऑपन करने पर एक मैसेज नजर आता है, जिसमें लिखा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित सरकार के आदेश के कारण यह सामग्री वर्तमान में इस देश में उपलब्ध नहीं है।

सीतामऊ में कृषि उद्योग समागमः सीएम मोहन यादव पहुंचे मंदसौर, किया कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन

400 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की दी सौगात

मंदसौर। मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के सीतामऊ में कृषि उद्योग समागम 2025 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इसके बाद सीएम ने कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सीएम ने यहां 400 करोड़ रुपए से ज्यादा के निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया।

समागम में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया, स्थानीय सांसद सुधीर गुप्ता समेत विधायकगण तथा प्रदेश भर से आए कृषक, उद्यमी, निर्यातक और एफपीओ प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

सीतामऊ विधायक हरदीप सिंहडंग ने स्वागत भाषण में विकास कार्यों के लिए धन्यवाद दिया। वहीं कुछ निर्माण और विकास कार्यों की मांगें रखीं।

भोपाल निवास स्थित समत्व भवन में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से पुष्टिमार्गीय प्रधान पीठ श्रीनाथजी मंदिर नाथद्वारा के पूज्य गोस्वामी तिलकायत चिरंजीवी 105 विशाल बाबा साहब जी से आत्मीय भेंट कर शॉल-श्रीफल से उनका अभिवादन किया।

सांध्यप्रकाश विशेष

सितंबर लगेगा साल का दूसरा सूर्य और चन्द्र ग्रहण, भारत में दिखाई देगा?

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों और नक्षत्रों की तरह ग्रहण का महत्व माना जाता है ।खास करके धार्मिक दृष्टि से ग्रहण को महत्वपूर्ण माना गया है। साल का पहला चन्द्र ग्रहण 14 मार्च फाल्गुन मास की पूर्णिमा पर लगा था और 15 दिन बाद 29 मार्च चैत्र अमावस्या के दिन साल का पहला आशिंक सूर्य ग्रहण लगा था।हालांकि यह दोनों ग्रहण भारत में दिखाई नहीं दिए और ना ही इनका सूतक काल मान्य हुआ था। अब साल का दूसरा सूर्य व चन्द्र ग्रहण रक्षाबंधन के बाद सितंबर 2025 में लगेगा।हालांकि सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा लेकिन चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई देगा ऐसे में सूतक काल भी मान्य होगा।

कब लगेगा साल का पहला सूर्य व चन्द्र ग्रहण?- ज्योतिष के मुताबिक, साल का दूसरा सूर्य ग्रहण 21 सितंबर 2025 अमावस्या को लगेगा। यह एक आंशिक सूर्य ग्रहण होगा। यह ग्रहण रात 11 बजे शुरू होगा और सुबह 4 बजे तक चलेगा, ऐसे में यह ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा और ना ही इसका सूतक काल मान्य होगा। यह ग्रहण भारत को छोड़कर ऑस्ट्रेलिया, अंटार्कटिका, प्रशांत महासागर, अटलांटिक महासागर में दिखेगा।

शासी और कार्यकारी परिषद में पूर्व आईएएस अधिकारी आईपी गौतम नियुक्त

गांधी नगर। गुजरात सरकार के महत्वाकांक्षी गांधी आश्रम स्मारक और परिसर विकास परियोजना की शासी और कार्यकारी परिषद में पूर्व आईएएस अधिकारी आईपी गौतम को नियुक्त किया गया है।

गौतम भारतीय प्रशासनिक सेवा में 1986 बैच के पूर्व आईएएस अधिकारी हैं। वे कैलाश नाथन की जगह लेंगे। गुजरात सरकार ने आखिरकार अपने बेहद महत्वाकांक्षी गांधी आश्रम स्मारक और परिसर विकास परियोजना के लिए शासी और कार्यकारी परिषदों में पूर्व नौकरशाह आईपी गौतम को नियुक्त किया है। वे कैलाश नाथन की जगह लेंगे । कैलाश नाथन को पिछले साल अगस्त में पुडुचेरी का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया था। कैलाश नाथन 1979 बैच पूर्व आईएएस अधिकारी हैं। इसे एक बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है क्योंकि इससे 1,200 करोड़ रुपये की हाई-प्रोफाइल परियोजना से कैलाश नाथन का जुड़ाव खत्म हो गया है।

विधायक रामेश्वर शर्मा में वार्ड 83 में 4 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि पूजन किया साथ ही विभिन्न निर्माण कार्यों का अवलोकन कर संबंधितों को निर्देशित किया । इस अवसर पर वार्ड 83 के पार्षद एवं स्वृष्ट सदस्य भोपाल भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रवींद्र यति, मंडल अध्यक्ष श्री प्रदीप पाटीदार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

भारत ने पाकिस्तान आयात पर लगाया बैन

शरीफ का ऑफिशियल यूट्यूब चैनल और इंस्टा अकाउंट किया ब्लॉक

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान से आने वाले सभी सामानों के आयात (इंपोर्ट) पर रोक लगा दी है। सरकार ने शनिवार को नोटिफिकेशन जारी किया है। इसमें कहा गया कि इस बैन से किसी को छूट चाहिए तो सरकार से परमिशन लेनी होगी। इसके पहले भारत ने शुक्रवार देर रात पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार का एक्स अकाउंट ब्लॉक कर दिया है। तरार ने पाकिस्तान पर भारतीय हमले का दावा किया था। भारत ने शुक्रवार को ही पाकिस्तान शहबाज शरीफ का ऑफिशियल यूट्यूब चैनल और इंस्टा अकाउंट ब्लॉक कर दिया था।

इस बीच, मध्य प्रदेश के जबलपुर और महाराष्ट्र के चंद्रपुर की ऑर्डनेंस फैक्ट्री में

कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। मैनेजमेंट ने कर्मचारियों से कहा कि यह मुश्किल वक्त है, राष्ट्रीय सुरक्षा को देखते हुए काम नहीं रुकना चाहिए। उधर, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि भारत ने अगर सिंधु नदी का पानी रोका तो हम हमला कर देंगे। आसिफ ने शुक्रवार को यह बयान दिया।

कुछ लोगों को करंट लगने से फैली दहशत

गोवा के शिरगांव में भगदड़, 7 की मौत

75 घायल, 20 की हालत गंभीर, पीएम ने जताया दुख

बिचोलिम (गोवा)। गोवा के शिरगांव में श्री लैराई जात्रा (यात्रा) में शुक्रवार रात को मची भगदड़ में 7 लोगों की मौत हो गई। इसकी जानकारी शनिवार सुबह सामने आई है। हादसे में 75 से ज्यादा लोग घायल हैं, 20 गंभीर हैं। राहत-बचाव कार्य जारी है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार शाम को बड़ी संख्या में श्रद्धालु जात्रा में शामिल होने मंदिर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक दुकान के सामने बिजली के तार से करंट लगने के बाद कुछ लोग गिर गए। तभी अफरा-तफरी हुई और भगदड़ मच गई। भीड़ को संभालने के इंतजाम नहीं होने की वजह से हादसा हुआ। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। श्री लैराई जात्रा नॉर्थ गोवा के बिचोलिम तालुका के शिरगांव गांव में आयोजित होने वाला हिंदू धार्मिक उत्सव है। जात्रा हर साल अप्रैल या मई में होती है। इसमें गोवा, महाराष्ट्र और कर्नाटक से हजारों श्रद्धालु आते हैं। जात्रा 2 मई की शाम से 3 मई की सुबह तक आयोजित की गई थी। इसी दौरान हादसा हुआ।

श्रद्धालुओं की भीड़ उत्सव में शामिल होने पहुंची थी

40 हजार श्रद्धालु यात्रा में शामिल होने पहुंचे थे गोवा पुलिस के मुताबिक- महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित कई राज्यों के 30 से 40 हजार लोग यात्रा में शामिल होने पहुंचे थे। शुक्रवार शाम भीड़ मंदिर की ओर जा रही थी, तभी एक ढलान पर कुछ लोग गिर पड़े। इसके बाद पीछे से आ रहे लोग भी एक-दूसरे पर गिरते चले गए। 40 से 50 लोग इस दौरान नीचे गिर गए। इसके बाद अफरा-तफरी होने से भगदड़ मच गई। यात्रा के लिए एक हजार पुलिसकर्मियों की ही तैनाती हुई थी। भीड़ की एक्टिविटी को ड्रोन की मदद से ट्रैक किया जा रहा था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, गोवा के शिरगांव में हुई भगदड़ की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में जानकर दुख हुआ, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। मैं परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

मप्र-उप्र सहित 19 राज्यों में आंधी-तूफान व राजस्थान में धूलभरी आंधी की चेतावनी

नई दिल्ली। मौसम विभाग के मुताबिक, शनिवार को मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश सहित 19 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट है। राजस्थान में धूलभरी आंधी चल सकती है। वहीं, ओडिशा, आंध्रप्रदेश और कर्नाटक में तेज बारिश हो सकती है। दिल्ली में शुक्रवार को हुई बेमौसम बारिश के बाद मौसम विभाग ने शनिवार के लिए भी आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। बदले हुए मौसम के बावजूद शुक्रवार को मध्य प्रदेश के 12 शहरों समेत महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और में तापमान 43ए से 44ए के बीच रिकॉर्ड किया गया। महाराष्ट्र का अकोला 44.9ए के साथ देश का सबसे गर्म शहर रहा। इससे पहले दिल्ली-एनसीआर, यूपी और छत्तीसगढ़ में हुई आंधी-बारिश और

बिजली-पेड़ गिरने की घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई। इनमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश में 4-4 और छत्तीसगढ़ में 2 लोगों ने जान गंवाई है।मौसम विभाग के अनुसार, आगे भी लगभग एक हफ्ते ऐसा मौसम रह सकता है। तेज हवा और गरज-चमक के साथ बारिश होती रहेगी। इसके बाद मई में उत्तर भारत के कई हिस्सों में सामान्य से ज्यादा गर्मी की संभावना है।

मौसम विभाग ने कहा कि दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में शुक्रवार को हुई मूसलाधार बारिश का कारण अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से मिलने वाली नमी और हवा का मिलना है। मौसम के अलग-अलग सिस्टम के मिश्रण के कारण आंधी-तूफान जैसे हालात बने। बारिश के साथ-साथ दक्षिण-पूर्वी हवा भी चली, जिनकी रफ्तार 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई। 4 मई को राजस्थान में धूल भर आंधी चलेगी। मध्यप्रदेश और उत्तराखंड में ओले गिर सकते हैं। मराठवाड़ा, तमिलनाडु-पुडुचेरी, कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, सौराष्ट्र-कच्छ और ओडिशा में बारिश का अलर्ट है। जबकि पंजाब, चंडीगढ, दिल्ली में हीटवेव का अलर्ट है। बिहार, गुजरात में गर्मी का ऑरेंज अलर्ट है।

एमपी के बाद अब इन राज्यों में भी दिखेंगे चीते, देशभर में चुने गए 10 नए ठिकाने

भोपाल। लगभग सात दशक के लंबे इंतजार के बाद भारत में एक बार फिर चीते बसाने की दिशा में बड़ी सफलता हासिल हुई है। 'प्रोजेक्ट चीता' के अंतर्गत इन विलुप्त हो चुके प्रजातियों को दोबारा भारतीय वन्यजीव संरचना में शामिल किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से की गई थी और अब यह परियोजना सफलता की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है।

गांधीसागर बना चीतों का दूसरा ठिकाना

प्रोजेक्ट चीता के तहत कूनो के बाद अब गांधीसागर अभयारण्य को चीतों का दूसरा घर घोषित किया गया है। 20 अप्रैल 2025 को पहली बार दो चीतों को कूनो से गांधीसागर में सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया गया, जो इस योजना का अहम पड़ाव माना जा रहा है। इससे पहले देश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर चीतों की ऐसी शिफ्टिंग नहीं की गई थी।

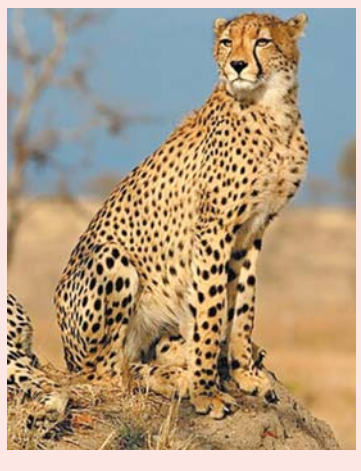

तीसरे और चौथे घर के लिए तैयारियां शुरू

अब अगला चरण शुरू होने जा रहा है, जिसमें चीतों को मध्यप्रदेश के वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही अभयारण्य) और गुजरात के बन्नी ग्रासलैंड रिजर्व में बसाने की योजना बनाई जा रही है। हालांकि अभी तक इन स्थानों पर चीतों के स्थानांतरण की तारीख तय नहीं हुई है, लेकिन इन दोनों को प्रोजेक्ट के तहत क्रमशः तीसरे और चौथे संभावित आवास के रूप में सूचीबद्ध कर लिया गया है।

देशभर में चिन्हित की गई हैं 10 संभावित साइटें

चीता पुनर्स्थापन योजना के तहत देशभर में विशेषज्ञों द्वारा पांच राज्यों में सात लैंडस्केप के अंतर्गत दस संभावित स्थल चिह्नित किए गए हैं। इन्हीं में से चरणबद्ध तरीके से चीतों को बसाने की प्रक्रिया जारी है। कूनो और गांधीसागर के बाद अब नौरादेही और बन्नी पर भी सक्रियता बढ़ गई है।

मानसून के बाद हो सकती है अगली शिफ्टिंग

सूत्रों के अनुसार बारिश के मौसम के बाद कूनो नेशनल पार्क से कुछ चीतों को नौरादेही और बन्नी क्षेत्र में स्थानांतरित किया जा सकता है। फिलहाल इन दोनों स्थानों पर चीतों के अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए 'प्रे-बेस' यानी शिकार की उपलब्धता बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, चीता स्टियरिंग कमेटी में इस पर विचार-विमर्श भी शुरू हो गया है।

मध्यप्रदेश में कुल 31 चीते, जिनमें 19 शावक

वर्तमान में मध्यप्रदेश के दो वन्य क्षेत्रों, कूनो नेशनल पार्क और गांधीसागर अभयारण्य में कुल 31 चीते हैं। इनमें कूनो में 29 और गांधीसागर में 2 चीते रह रहे हैं। कूनो के 29 चीतों में से 19 शावक और 10 वयस्क हैं, जो इस योजना की सफलता का संकेत देते हैं।

वरिष्ठ स्तर पर होगा अंतिम निर्णय

प्रोजेक्ट के निदेशक उत्तम कुमार शर्मा ने बताया कि देशभर में दस चिन्हित स्थलों में चीतों को चरणबद्ध तरीके से बसाने की योजना है। नौरादेही और बन्नी को प्रस्तावित स्थलों में शामिल किया गया है। यहां चीता ट्रांसफर से संबंधित अंतिम निर्णय उच्च स्तर पर ही लिया जाएगा।

सकल हिंदू समाज ने दो दर्जन से अधिक जगहों पर किया विरोध प्रदर्शन

लव जिहाद के विरोध में सड़कों पर उतरी महिलाएं, कई जगह किया प्रदर्शन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

बढ़ते लव जिहाद के चलते भोपाल में विरोध में सकल हिंदू समाज ने दो दर्जन से अधिक जगहो पर विरोध प्रदर्शन किया, सकल हिंदू समाज की महिलाओं, बहन बेटीयो ने सैकड़ो की संख्या में मौजूद रहकर मांग की दोषियों को फांसी की सजा दी जाए । उसी कडी मे संत हिरदाराम नगर चंचल चौराहा पर सैकड़ों की संख्या में बहन बेटीयो ने जमकर पर विरोध प्रदर्शन किया। चंचल चौराहे पर सैकड़ो महिलाओं ने अपना विरोध दर्ज कराया विरोध प्रदर्शन में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता नेहा बग्गा शामिल हुई ओर उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा ये मानसिक रोग है मानसिक समस्या है। लव जिहाद के खिलाफ महिलाओं में भारी आक्रोश रहा ओर अलग अलग नारे लगते रहे जिसमे, गोली मारों सालों के नारे भी लगे। इस आंदोलन में लव जिहाद के खिलाफ भोपाल के हजारों लोग सड़कों पर उतरे ओर विरोध प्रदर्शन किया जिसमे घरेलू एवं काम काजी महिलाओं सहित स्कूल कॉलेज की छात्राएं शामिल हुई। सकल हिंदू समाज ने लव जिहाद को के लिए फांसी की मांग की । इस मोके पर भोपाल कलेक्टर के नाम पर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया।

भोपाल की डॉ. अर्चना मुखर्जी की पेंटिंग्स ने पूना में आर्ट प्रदर्शनी में मचाया धमाल

भोपाल। पूना में 2 मई से 4 मई 25 को आयोजित कला स्पन्दन आर्ट प्रदर्शनी में अर्पितम कला मंदिर के बैनर तले भोपाल की प्रसिद्ध चित्रकार डॉ. अर्चना मुखर्जी की पेटिंग्स ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। डॉ. मुखर्जी की पेटिंग्स में जीवन की गहराइयों और भावनाओं को उकेरा गया है, जो दर्शकों को एक अनोखे अनुभव से गुजरने का अवसर प्रदान करती हैं। डॉ. मुखर्जी की पेटिंग्स में रंगों का अद्भुत मेल और भावनाओं की गहराई दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। उनकी पेटिंग्स में जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया गया है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती हैं। आर्ट प्रदर्शनी में डॉ. मुखर्जी की पेटिंग्स को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। डॉ. मुखर्जी की पेटिंग्स की प्रदर्शनी ने पूना के कला प्रेमियों के बीच एक नई चर्चा छेड़ दी है। डॉ. अर्चना मुखर्जी की इस उपलब्धि पर हम उन्हें बधाई देते हैं और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

बोर्ड ऑफिस चौराहे पर विरोध प्रदर्शन, लव जिहाद के सभी मामलों की एसआईटी से जांच कराने की मांग

भोपाल। सकल हिन्दू समाज द्वारा प्रदेश में बढ़ रहे लव जिहाद के मामलों और विद्यार्थियों को निशाना बनाकर की जा रही आपराधिक गतिविधियों के विरोध में एक जोरदार प्रदर्शन आयोजित किया गया। यह प्रदर्शन बोर्ड ऑफिस चौराहे से प्रारंभ होकर ज्योति टॉकीज होते हुए प्रगति पेट्रोल पंप पर समाप्त हुआ , जहाँ थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा गया। इस प्रदर्शन में मुख्य रूप से राष्ट्रीय मंत्री कुमारी शालिनी वर्मा उपस्थिति रही। उन्होंने अपने भाषण में प्रदेश में बढ़ रही घटनाओं को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की और प्रशासन से तत्काल सख्त कार्रवाई की माँग की। ज्ञापन में रखी गई प्रमुख माँगें लव जिहाद से जुड़े सभी प्रकरणों की जाँच विशेष जाँच दल (एसआईटी) से करवाई जाए। दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक ज़िले में महिला सुरक्षा समिति का गठन हो। छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से प्रदान किया जाए। कोचिंग संस्थानों, छात्रावासों, विश्वविद्यालयों आदि में संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी के लिए स्थानीय पुलिस की सक्रियता बढ़ाई जाए। होटलों, लॉज, कैफे आदि सार्वजनिक स्थलों पर भी पुलिस निगरानी सुनिश्चित हो। राष्ट्रीय मंत्री कुमारी शालिनी वर्मा ने कहा कि हम आज यहाँ इसलिए एकत्रित हुए हैं क्योंकि प्रदेश में जिस प्रकार छात्राओं को निशाना बनाकर लव जिहाद जैसी आपराधिक घटनाएँ की जा रही हैं, वह बेहद चिंता का विषय है। हमारी बेटियाँ, हमारी बहनें शिक्षा संस्थानों में अपने भविष्य के निर्माण के लिए जाती हैं, लेकिन कुछ कट्टरपंथी मानसिकता के लोग उन्हें शारीरिक, मानसिक और सांस्कृतिक रूप से नुकसान पहुँचाने की साज़िशें कर रहे हैं। हम माँग करते हैं कि ऐसी घटनाओं की उच्चस्तरीय जाँच हो, दोषियों को सख्त से सख्त सज़ा मिले और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए प्रदेशभर में प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। हर कॉलेज, कोचिंग, हॉस्टल, और सार्वजनिक स्थानों पर निगरानी रखी जाए, और महिलाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाए।

बीमा कुंज पर किए प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शामिल रही महिलाएं और छात्राएं

भोपाल में हुई लव जिहाद की घटना को लेकर कोलार के बीमा कुंज पर सकल हिंदू समाज के नेतृत्व में लव जिहाद के विरोध में बड़ा प्रदर्शन हुआ। जिसमे हज़ारों घरेलू एवं काम काजी महिलाओं सहित स्कूल कॉलेज की छात्राएं उपस्थित रही। अत्यधिक संख्या की वजह से कोलार सिक्स लेन पर जाम की स्थिति भी निर्मित हो गई। विरोध प्रदर्शन के दौरान लव जिहाद करने वालों को गोली मारों सालों के नारे भी लगे।

जिहादियों को मोहन सरकार की पुलिस बिरयानी नहीं खिलायेगी: रामेश्वर

भोपाल। लव जिहाद के आरोपी के शॉर्ट एनकाउंटर पर विधायक रामेश्वर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा की अनेक बेटियों के साथ लव जिहाद करने वाले उन बेटियों का शारीरिक शोषण करने और कराने वाले जिहादियों को मोहन सरकार की पुलिस बिरयानी नहीं खिलाएगी।

सादगी की ओर एक सार्थक कदम, परिवार की प्रेरणादायक पहल

गुर्जर समाज में 'दिखावे की परंपरा' को तोड़ता पालादेवरी के परिवार का साहसिक निर्णय

सेमरी हरचंद। गुर्जर समाज में विवाह एवं मांगलिक अवसरों पर महिलाओं द्वारा भारी-भरकम सोने के गहने पहनने की परंपरा अब एक सामाजिक दबाव बन चुकी है। यह परंपरा, जो कभी हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं थी, अब आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक बोझ बनती जा रही है। कई बार लोग केवल समाज में 'दिखावा' करने के लिए गहने किराए पर लेने को भी मजबूर हो जाते हैं। यहाँ आमतौर पर महिलाएँ 20-30 तोला से लेकर 40 - 50 तोला तक सोने के गहने पहनती हैं, जो अब पूर्णत: बंद रहेगा।

ऐसे समय में पालादेवरी निवासी भगवान पटैल, जो शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हैं, ने अपने परिवार के बुजुर्गों के साथ मिलकर समाज में सादगी की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल की है। एक समृद्ध कृषक परिवार होने के बावजूद, उन्होंने महिलाओं के भारी गहने पहनने की परंपरा को न अपनाने का साहसिक निर्णय लिया, जो समाज के लिए एक नई सोच की मिसाल बन गया है।

चाचा-भतीजे के संवाद से उपजा सामाजिक संकल्प: भगवान पटैल ने अपने चाचा श्री अर्जुन सिंह पटैल से आग्रह किया कि समाज में बदलाव की शुरुआत हमें अपने परिवार से ही करनी चाहिए। इस पर श्री अर्जुन सिंह पटैल ने न केवल उनका समर्थन किया, बल्कि परिवार के सभी सदस्यों को साथ लेकर इसे एक सामूहिक संकल्प में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके भरपूर सहयोग और मार्गदर्शन के फलस्वरूप यह साहसिक निर्णय संभव हो सका।

परिवार की बैठक में ऐतिहासिक निर्णय: आज दिनांक 2 मई 2025 को परिवार की विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें साहब सिंह पटैल, शालकराम पटैल, बदामी पटैल, तुलसीराम पटैल, रामगोपाल पटैल, रामसिंह पटैल, अर्जुन सिंह पटैल, बलराम पटैल, कल्लू पटैल, भोले पटैल, बलिराम पटैल, राधेश्याम पटैल और मलखान पटैल सहित सभी वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। सर्वसम्मति से यह ऐतिहासिक निर्णय लिया गया कि अब से हमारे पूरे परिवार में विवाह, तीज-त्योहार या किसी भी मांगलिक अवसर पर भारी गहनों को पहनने की परंपरा को पूर्णत: बंद किया जाएगा। महिलाएँ केवल कान में बाली/कुंडल और गले में मंगलसूत्र ही धारण करेंगी। भारी गहनों का पूरी तरह से त्याग किया जाएगा।

इस निर्णय की शुरुआत परिवार ने अपनी छोटी बुआ के इकलौते बेटे शिवजी के पहले मायके (मामेरे) के अवसर से की, जो महुआखेड़ा (शोभापुर) निवासी पूर्व सरपंच श्री गोविंद सिंह पटैल के यहाँ जा रहे हैं। भगवान पटैल ने बताया कि भारी गहनों को पहनने वाली माताओं के मन में हमेशा डर बना रहता है—कहीं गहना गिर न जाए, चोरी न हो जाए, या बच्चा खींच न ले। कई बार तो माँ अपने बच्चे को स्तनपान तक नहीं करवा पातीं। यह स्थिति मातृशक्ति के सम्मान के विरुद्ध है।

उन्होंने समाज से अपील की है कि इस सकारात्मक बदलाव को अपनाएँ और अगली पीढ़ियों को दिखावे के बोझ से मुक्त करें। हमें अपनी परंपरा, आत्मसम्मान और मातृशक्ति के सम्मान को सहेजना है।

यह निर्णय केवल एक परिवार का कदम नहीं, बल्कि समाज में सादगी और चेतना की नई शुरुआत है। यह बदलाव उस सोच को जन्म देगा, जहाँ हमारी बहुएँ, बेटियाँ और अगली पीढ़ियाँ गर्व से कहेंगी हमें दिखावे की नहीं, सादगी की सीख मिली है।

विधायक सबनानी ने दत्त मंदिर में किया आमों की प्रदर्शनी का शुभारंभ

भोपाल। हापुस सहित अन्य आमो की प्रदर्शनी का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने दत्त मंदिर प्रांगण अरेरा कॉलोनी में किया। विधायक सबनानी का स्वागत आयोजन भरत साठे ज्योति साठे द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में रखें आमो में रत्नागिरी देवगढ़ कोंकण सहित अन्य आम आप देख सकते हैं। विधायक भगवानदास सबनानी ने मंदिर में दर्शन कर महाराष्ट्र के किसान भाइयों से संवाद कर आम की विशेषताओं को जाना। इस अवसर पर सबनानी ने कहा कि आम तो फलों का राजा है और आज यहां इसकी खुशबू मन को मोह रही है, आम फलों का राजा होने के साथी कई गुणों का भी राजा है। मैं सभी भोपालवासी से कहना चाहता हूं कि आप जरूर इस पर प्रदर्शनी को देखने आए, सबनानी ने हापुस आम का स्वाद भी चखा। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में ही इस आम का उत्पादन होता है और इसे जीआई टैग भी प्राप्त हैं। हापुस आम की महाराष्ट्र के साथ ही भारत के सभी राज्यों में जबरदस्त मांग है। हापुस आम अमरीका जापान स्वीडन दुबई यूरोप सहित कई देशों में भी जबरदस्त मांग हे। भोपाल में 2 वर्षों से भरत साठे ज्योति साठे द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

सुखी, सेहतमंद जीवन और लंबी उम्र के लिए हास्य योग कीजिये : योग गुरु महेश अग्रवाल

विश्व हास्य दिवस

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि लगातार कई वर्षो से नि:शुल्क योग प्रशिक्षण के दौरान हास्य योग को विशेष महत्व दिया जाता है। सभी उम्र के लोग सामूहिक हास्य की क्रियायें करते है जिससे सबके चेहरे पर मुस्कान आती है सब खुलकर हँसते है तनाव कम होता है आत्म विश्वास बढ़ता है। दु:ख कम करने का सबसे अच्छा इलाज दूसरों को खुश करना। हास्य योग जो आपके शारीरिक और मानसिक दोनों रूपों को सुदृढ़ बनाता है। विश्व भर में मई महीने के पहले रविवार को हास्य दिवस मनाया जाता है।

हंसना मानवीय स्वभाव है: मानव ही एक मात्र ऐसा प्राणी है जिसमें हँसने की क्षमता होती है। यह उसका स्वभाव भी है तथा उसके खुशी की अभिव्यक्ति का माध्यम भी। किसी बात पर मुस्कुराना अथवा हँसना किसी को देखकर हँसना, कुछ व्यंग्य सुनकर हँसना,

कुछ पढ़कर हँसना, किसी को हँसते हुए देखकर हँसना, किसी से मुस्कुराते हुए मिलना, खुशी के प्रसंगों पर मुस्कुराना मानव व्यवहार की सहज क्रियाएँ हैं।

स्वास्थ्य वर्धक औषधि: जब मुस्कान हँसी में बदल जाती है तो स्वास्थ्यवर्धक औषधि का कार्य करने लगती है। हँसना स्वस्थ शरीर की पहचान है जो मानसिक प्रसन्नता के लिए आवश्यक है। नियमित हँसने से शरीर के सभी अवयव ताकतवर और पुष्ट होते हैं। हास्य तनाव का विरेचन है। सच्चा हास्य तोप के गोले की तरह छूटता है और मायूसी की चट्टान को बिखेर देता है। हास्य से रोम रोम पुलकित होते हैं, दुःखों का विस्मरण होता है, खून में नई चेतना आती है। शरीर में कुछ भाग हास्य ग्रंथियों के प्रति विशेष संवेदनशील होते हैं। हँसी मानसिक रोगों के उपचार का प्रभावशाली माध्यम होता है। खुलकर हँसने से रक्त की गति बढ़ जाती है एवं रक्त परिभ्रमण में आने वाले अवरोधक तत्व दूर होने लगते हैं। श्वसन क्रिया सुधरती है। ऑक्सीजन का संचार अधिक मात्रा में होने लगता है और दूषित वायु का पूर्ण निष्कासन होता है। शरीर के अधिकांश चेतना केन्द्र जागृत होने लगते हैं। अधिक हँसने वाले बच्चे फुर्तीले एवं अपेक्षाकृत अधिक शक्तिशाली होते हैं। 10 मिनट हँसने मात्र से इतनी ऊर्जा मिलती है जो साधारणत: लगभग एक किलोमीटर प्रात: स्वच्छ वातावरण में भ्रमण करने से प्राप्त होती है।

युवाओं और सहकारी आंदोलन के लिए स्वर्णिम भविष्य: दिलीप संघाणी

भोपाल। भारत में सहकारी आंदोलन को नई दिशा देने और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से सरकार ने त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव रखा था। अब यह सपना साकार हो चुका है, क्योंकि त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक को लोकसभा और राज्यसभा दोनों ने पारित कर दिया है। इस विधेयक के पारित होने के साथ ही, यह विश्वविद्यालय न केवल सहकारी शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण को बढ़ावा देगा, बल्कि सहकारी क्षेत्र को अधिक पेशेवर और प्रभावी बनाने में भी मदद करेगा। दिलीप संघाणी, अध्यक्ष एनसीयूआई, इफको और गुजकोमासोलएवं एवं पूर्व मंत्री, गुजरात ने बताया भारत में सहकारी आंदोलन की शुरुआत औपनिवेशिक काल में हुई थी। 1904 में सहकारी समितियों से संबंधित पहला कानून लाया गया, जिसके बाद इस आंदोलन को एक संरचित रूप मिला। आज, भारत में सहकारी समितियाँ कृषि, बैंकिंग, डेयरी, आवास, उपभोक्ता वस्तुएँ और अन्य कई क्षेत्रों में कार्यरत हैं। अमूल, इफको , कृभको जैसी संस्थाएँ सहकारी आंदोलन के सफल उदाहरण हैं। त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए की जा रही है, युवाओं के लिए रोजगारपरक शिक्षा- सहकारी क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा की कमी के कारण युवा इस क्षेत्र की ओर आकर्षित नहीं होते। यह विश्वविद्यालय युवाओं को सहकारी प्रबंधन, वित्तीय समावेशन, सहकारी विपणन, डिजिटल सहकारिता और अन्य विषयों में विशेष शिक्षा प्रदान करेगा। सहकारी संगठनों का सशक्तिकरण पेशेवर प्रशिक्षण और नवीनतम शोध के माध्यम से सहकारी समितियों को अधिक प्रभावी और प्रतिस्पर्धात्मक बनाया जाएगा। डिजिटल तकनीकों, डेटा एनालिटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से सहकारी संस्थानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ा जाएगा।

अद्वैत दर्शन से सराबोर करेगा एकात्म धाम...

कौशल किशोर चतुर्वेदी

आद्य शंकराचार्य के प्रकटोत्सव पर ओंकारेश्वर और एकात्म धाम का दिव्य और आध्यात्मिक समागम का साक्षी बनना मध्यप्रदेश में 'विरासत के साथ विकास' की एक महत्वपूर्ण झलक है। ओंकार पर्वत पर स्थापित आदि गुरु शंकराचार्य की 108 फीट ऊंची प्रतिमा व आदि गुरु शंकराचार्य की दीक्षा स्थली को प्रदेश सरकार एकात्म धाम के रूप में विकसित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम के चरणबद्ध तरीके से पूर्ण करने की बात कही। तो आद्य गुरु शंकराचार्य द्वारा उनके जीवन काल में अनेक महान कार्यों के किए जाने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य की चेतना शास्त्र परंपरा से हमारा परिचय कराती है। भारत को शक्ति संपन्न बनने के लिए ज्ञान, आध्यात्म, शास्त्र एवं शस्त्र सभी विधाओं की आवश्यकता है। हमारे संतों एवं संन्यासियों ने धर्म की स्थापना के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। शस्त्र के साथ शास्त्र की परंपरा का अद्भुत तालमेल किया है। अध्यक्षीय प्रबोधन देते हुए स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि आद्य जगद्गुरु शंकराचार्य ने अद्वैत वेदान्त द्वारा आत्मा और ब्रह्म की एकता का उद्घोष करते हुए उपनिषद, गीता और ब्रह्मसूत्र पर भाष्य रचे तथा चार मठों की स्थापना से भारत को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बाँधा। उनका दर्शन व्यक्ति की मुक्ति और समाज की एकता का मार्ग प्रशस्त करता है। अद्वैत दर्शन ईश्वरीय दर्शन है, पूरे विश्व को शान्ति-समाधान और एकात्मकता प्रदान करने की सामर्थ्य अद्वैत दर्शन में है, जो सारे भेद, विभिन्नता का भंजन कर एकत्व प्रदान करता है। प्रो. वी. कुटुंब शास्त्री ने कहा, मध्यप्रदेश शासन द्वारा अद्वैत वेदांत को जनमानस तक पहुँचाने का यह प्रयास अद्वितीय है। वर्ष 2017 में आरंभ हुई एकात्म यात्रा आज सशक्त आंदोलन बन चुकी है। स्वामी प्रणव चैतन्य पुरी ने कहा, आचार्य शंकर केवल ज्ञानी ही नहीं, परम भक्त भी थे। उन्होंने जगन्नाथ अष्टकम्, नर्मदा स्तोत्र, गंगा स्तोत्र जैसे स्तोत्रों की रचना कर भक्ति व उपासना को जीवंत रखा। एकात्मधाम प्रकल्प उनके चार मठों के तुल्य है। अब यहां सामयिक चर्चा करें तो आद्य शंकराचार्य ने भारत की आध्यात्मिक विरासत को एक नए मुकाम पर लाकर खड़ा किया। जब भारत खुद को और अपनी शक्ति को विस्मृत कर रहा था, तब आद्य शंकराचार्य ने सनातनी भाव में नए प्राण भरे। इसीलिए आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण, अयोध्या ने कहा, यह संसार हमसे अलग नहीं, हमारा ही विस्तार है। आचार्य शंकर का अवदान किसी मत तक सीमित नहीं। उन्होंने बिना भेद किए समस्त जनों का मार्गदर्शन किया, उनका आचार्यत्व मातृत्व के तुल्य है। जूनापीठाधीश्वर आचार्य स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज ने कहा कि पाखंडी और अज्ञानियों ने वेदों की प्रमाणिकता पर सवाल उठाए। जब देश वेद विमुख हो रहा था तो गुरू शंकराचार्य के रूप में भगवान स्वयं धरती पर आए। उनका आगमन न होता तो हम आज हिंदू, सनातनी और आर्य न होते। उन्होंने विविधता को तोड़ते हुए अद्वैत के माध्यम से एकत्व के सिद्धांत को प्रचारित किया। अद्वैत का मतलब यही है कि आत्मा और ब्रह्म एक हैं। सभी जीवों में एक ही चेतना का विस्तार है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि ओंकार पर्वत पर स्थापित आदिगुरु की 108 फीट ऊंची प्रतिमा व आदि गुरु शंकराचार्य की दीक्षा स्थली को राज्य सरकार एकात्म धाम के रूप में विकसित कर रही है, जो चरणबद्ध रूप से पूर्ण हो रहा है। आदि गुरु शंकराचार्य ने अपने जीवन काल में अनेक महान कार्य किए। गुरु शंकराचार्य की चेतना शास्त्र परंपरा से हमारा परिचय कराती है। भारत को शक्ति संपन्न बनने के लिए ज्ञान, आध्यात्म, शास्त्र एवं शस्त्र सभी विधाओं की आवश्यकता है। हमारे संतों एवं संन्यासियों ने धर्म की स्थापना के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। शस्त्र के साथ शास्त्र की परंपरा का अद्भुत समन्वय किया है।एकात्म धाम के उन्नयन का कार्य चार चरणों में किया जा रहा है। इसमें प्रथम चरण में आदि शंकराचार्य की मूर्ति की स्थापना की गई है, द्वितीय चरण में आचार्य शंकर के जीवन दर्शन पर आधारित संग्रहालय, अद्वैतलोक हेतु अतिशीघ्र निविदा जारी की जा रही है, जिसमें उनके जीवन दर्शन का विभिन्न तकनीकियों के माध्यम से आम जनता तक पहुँचाने का कार्य किया जाएगा। तृतीय चरण में अद्वैत वेदांत दर्शन के अध्ययन, शोध एवं विस्तार हेतु आचार्य शंकर अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान की स्थापना की जाएगी, यह संस्थान अद्वैत वेदांत दर्शन का संदर्भ केन्द्र होगा। चौथे और अंतिम चरण में शंकर निलयम आवासीय परिसर का निर्माण किया जायेगा। यह धाम देश ही नहीं बल्कि विश्व को मार्गदर्शन देगा। तो निश्चित तौर पर मध्यप्रदेश अद्वैत दर्शन का एक प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है। पर जब अद्वैत दर्शन और आद्य शंकराचार्य की बात हो, तब यह अपेक्षा भी स्वाभाविक हो जाती है कि आद्य शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार मठों के प्रमुखों यानि शंकराचार्यों की उपस्थिति एकात्मधाम में हो और ज्ञान की अविरल धारा नर्मदा तट पर हिलोरें ले। क्योंकि जब तक आद्य शंकराचार्य की बात होगी, तब उनके द्वारा तय प्रक्रिया के मुताबिक मठों के प्रमुख की गद्दी पर विराजित चार शंकराचार्य की उपेक्षा नहीं की जा सकेगीज्अपेक्षा यही है कि हिन्दू एकता की बात की जाती है तो संत एकता के दर्शन भी अपेक्षित हैंज्मोहन यादव से यह उम्मीद की जा सकती है। तभी सही मायने में एकात्म धाम अद्वैत दर्शन से सराबोर कर सकेगा।

महिला सब इंस्पेक्टर से लव जिहाद शादी के बाद अमन निकला अहमद

और एक चौकाने वाला मामला, मुस्लिम युवक ने असली पहचान छिपाकर की शादी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में लव जिहाद के मुद्दे को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। इसी बीच एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इस बार एक मुस्लिम युवक ने महिला पुलिस अधिकारी से अपनी असली पहचान छिपाकर शादी की। आरोपी ने खुद को हिंदू नाम 'अमन' बताकर महिला से शादी की, जबकि उसका असली नाम इश्तिहाक अहमद था। मामला सामने आने के बाद पुलिस महकमे हड़कंप मच गया है। लोग कह रहे हैं कि अब लव जिहाद में पुलिस भी फंस रही है। वहीं मामले में धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी ने महिला को धोखा देकर की शादी

महिला सब इंस्पेक्टर रायसेन जिले में पदस्थ है। मामले में एसपी पंकज पांडे ने बताया है कि आरोपी ने अपनी पहचान छिपाकर महिला से मुलाकात की और विश्वास का माहौल बनाने के बाद उससे शादी कर ली। शुरूआत में आरोपी ने खुद को अमन नाम से पेश किया और भोपाल के जहांगीराबाद क्षेत्र में एक कैफे चलाने का दावा किया। महिला उस समय एक आरक्षक थी और सब इंस्पेक्टर बनने के लिए परीक्षा की तैयारी कर रही थी। आरोपी ने मदद करने का वादा किया और धीरे-धीरे प्यार के जाल में उसे फंसा लिया।

जांच की जा रही

रायसेन जिले के एसपी पंकज पांडे ने इस मामले की पुष्टि की और बताया कि महिला पुलिस अधिकारी की शिकायत के बाद मामला गंभीर रूप ले चुका था। पुलिस ने उचित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और अब आगे की जांच की जा रही है।

शादी के बाद सच का खुलासा

यह धोखाधड़ी का खेल तब उजागर हुआ जब महिला को पति के नाम से एक पत्र मिला, जिसमें साफ-साफ लिखा था कि उसका पति का नाम अमन नहीं बल्कि इस्तिहाक अहमद है। इसके बाद महिला को इस झूठ का पता चला और उसने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। इस समय तक महिला ने सब इंस्पेक्टर की परीक्षा पास कर ली थी और अपने नए जीवन में बच्चे के साथ खुश रहने की कोशिश कर रही थी। लेकिन जब आरोपी ने उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू किया, तो महिला ने अलग रहने का फैसला लिया।

मामला दर्ज और आरोपी गिरफ्तार

फरवरी 2025 में आरोपी ने महिला के घर जाकर उसे फिर से मारपीट किया। इसके बाद महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई और घरेलू हिंसा का मामला शुरू किया। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत केस दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

डॉ. अरुणा कुमार को पदस्थ करने के विरोध में प्रदर्शन

भोपाल। डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन के प्रतिष्ठित पद पर प्रदेश ही नहीं अपितु देश की सबसे विवादित डॉ अरुणा कुमार को पदस्थ करने के विरोध में जूनियर डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया। वर्षों से प्रताड़ित गांधी चिकित्सा महाविद्यालय के सभी चिकित्सक, जूनियर डॉक्टर्स आज दोपहर 12 बजे हमीदिया चिकित्सालय परिसर में पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। बता दें चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा डॉ. अरुणा कुमार को डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन (डीएमई) बनाए जाने के निर्णय ने प्रदेशभर में नया विवाद खड़ा कर दिया है। इसी कड़ी में आज गांधी चिकित्सा महाविद्यालय से जुड़े चिकित्सक, जूनियर डॉक्टर्स और मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन (एमटीए) के सदस्यों ने हमीदिया चिकित्सालय परिसर प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन की घोषणा शुक्रवार रात को ही कर दी गई थी, जब एमटीए और जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (जूडा) के प्रतिनिधियों ने उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से मुलाकात कर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई। दोनों संगठनों का कहना है कि डॉ. अरुणा कुमार का पूर्व प्रशासनिक आचरण विवादास्पद रहा है और उनकी नियुक्ति से न केवल शिक्षण संस्थानों का वातावरण प्रभावित होगा, बल्कि यह निर्णय छात्रहित और चिकित्सा शिक्षा की गरिमा के खिलाफ भी है।

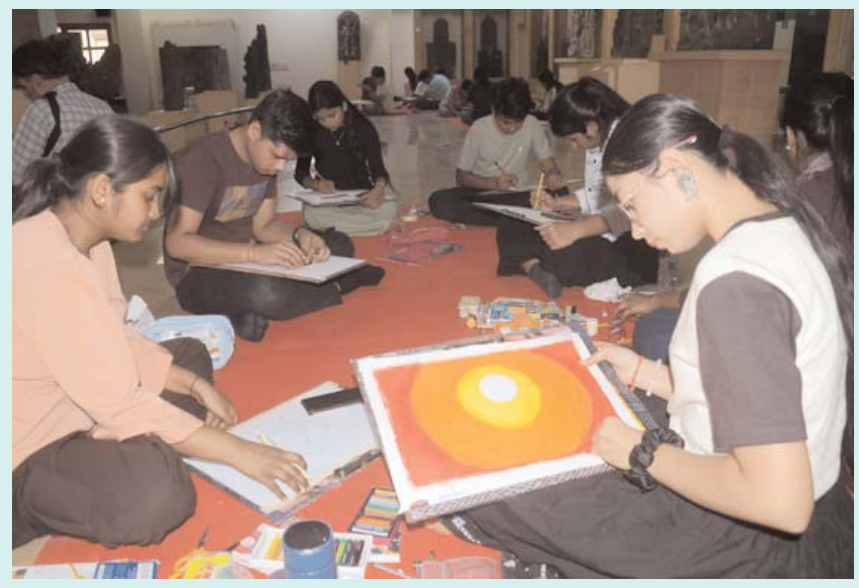

भोपाल। सुप्रसिद्ध पुरातत्वविद डॉ. वाकणकर के जन्मदिवस पर राज्य संग्रहालय में चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

भोपाल में हुआ लोक वित्त प्रबंधन प्रणाली पर पहला क्षेत्रीय सम्मेलन

भोपाल। नियंत्रक महालेखा परीक्षक श्याम सुन्दर दुबे ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए पीएफएमएस की पारदर्शिता और दक्षता के साथ निधियों के वितरण में इसकी भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि पीएफएमएस एक सुदृढ़ नेटवर्क प्रणाली है, जो विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, बैंकों, भारतीय रिजर्व बैंक और नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया जैसी संस्थाओं से जुड़ी हुई है। श्री दुबे ने कहा कि पीएफएमएस जैसी सशक्त प्रणाली से लाभार्थियों के दोहराव की और फर्जी लाभार्थियों को समाप्त कर अब तक लगभग 3.48 लाख करोड़ रुपये की बचत की है। लोक वित्त प्रबंधन प्रणाली (क्क्नरूस्) पर पहला क्षेत्रीय सम्मेलन दिनांक 2 मई 2025 को भोपाल स्थित आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी में आयोजित किया गया। भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (सीजीए) श्री दुबे ने सम्मेलन का शुभारंभ किया। मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव श्री जैन आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सम्मेलन में मध्यप्रदेश, बिहार, ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने पीएफएमएस का स्वागत करते हुए केन्द्र सरकार में अपनी प्रतिनियुक्ति के दौरान हुए इससे संबंधित अनुभव साझा किए। उन्होंने स्ब्ल-स्क्क्नरू॥ प्रणाली के माध्यम से पीएफएमएस की उस भूमिका की सराहना की, जिसके अंतर्गत सरकार को निधियों के निष्क्रिय रूप से रखे जाने के लिए ऋण लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि पीएफएमएस आधुनिक सार्वजनिक वित्त प्रबंधन का आधार बन चुका है, जिससे राज्य सरकारें जन-कल्याणकारी योजनाओं को तेजी, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सक्षम हुई हैं। उन्होंने क्क राज्य सरकारों के सामूहिक प्रयासों की सराहना करते हुए इसे डिजिटल इंडिया के विजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। सम्मेलन में पीएफएमएस के वरिष्ठ अधिकारियों ने इसके विभिन्न मॉड्यूल्स पर प्रस्तुतियाँ दीं। सम्मेलन में राज्य वित्त विभाग, कोषालय लेखा निदेशालय और विभिन्न राज्य सरकारों के विभागों एवं मंत्रालयों के अधिकारी सम्मिलित हुए।

यह सम्मेलन कार्यान्वयन एजेंसियों, सरकारी विभागों तथा प्रत्यक्ष लाभार्थियों से सुझाव प्राप्त कर पीएफएमएस प्रणाली में सुधार की दिशा में मार्ग प्रशस्त करने का एक मंच सिद्ध हुआ। सम्मेलन के दौरान विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों को स्ब्ल-स्क्क्नरू॥ से संबंधित तकनीकी प्रश्नों के समाधान भी प्रदान किए गए। निकट भविष्य में इस प्रकार की क्षेत्रीय सम्मेलन विभिन्न राज्यों में आयोजित किये जाएंगे।

लायन्स क्लब इंटरनेशनल की आठवीं डिस्ट्रिक्ट कान्फ्रेंस आयोजित

भोपाल। लायन्स क्लब इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट पी.आरओ. लायन संजय गुप्ता एडवोकेट द्वारा बताया गया कि लायन्स क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 32-33 जी-2 की आठवीं ऐनुअल डिस्ट्रिक्ट कान्फ्रेंस, उर्विश 03-04 मई 2025 को साँची में आयोजित होने जा रही है एवं उपरोक्त कॉन्फ्रेंस में मुख्य अतिथि के रूप में इंटरनेशनल डायरेक्टर लायन पंकज मेहता पधार रहे हैं एवं अध्यक्षता डिस्ट्रिक्ट गर्वनर मनीष शाह द्वारा की जावेगी। श्री संजय गुप्ता ने बताया कि दिनांक 03-04 मई को डिस्ट्रिक्ट गर्वनर प्रथम वाईस गर्वनर एवं द्वितीय वाईस गर्वनर के चुनाव संपन्न होगें एवं कई प्रस्ताव पास किये जावेगें एवं वर्ष 2024-25 में जो लायन साथी का स्वर्गवास हो गया है उनको भावभीनी श्रृद्धाजलि भी दी जावेगी एवं दिनांक 03.05.2025 को लॉयन हरीओम जडिया द्वारा एक भारतीय परिधान उत्सव भी आयोजित किया जावेगा एवं उसमें मुख्य अतिथि के रूप में डिम्पल पटेल मिस इंडिया पधार रहीं हैं।

स्वास्थ्य संस्थानों में समय पर उपलब्ध हो उपकरण एवं फर्नीचर : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों की वृहद समीक्षा

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए अधोसंरचना विकास कार्यों में गति अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए बजट का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए तथा निर्माण कार्यों को समयसीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की धीमी गति पर चिंता जताते हुए निर्देश दिए कि निर्माण एजेंसियों द्वारा किए गए कार्यों के भुगतान में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए, ताकि कार्यों की गति बनी रहे और गुणवत्ता भी सुनिश्चित हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में स्वास्थ्य विभाग की अधोसंरचना विकास संबंधी कार्यों की वृहद समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक, सशक्त और जनहितकारी बनाने के लिए अधोसंरचना, मानव संसाधन, उपकरण, प्रबंधन और तकनीकी सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कार्यों की सतत निगरानी करें और सभी परियोजनाओं को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूरा करें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देशित किया कि निर्माणाधीन और पूर्ण हो चुके सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक उपकरण एवं फर्नीचर की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह देखा गया है कि भवन निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने के बावजूद उपकरणों की अनुपलब्धता के कारण संस्थानों का संचालन प्रारंभ नहीं हो पाता, जो कि अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने इस स्थिति को सुधारने के लिए सतत मॉनिटरिंग के निर्देश दिए और कहा कि भविष्य में संचालन में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर संचालन के लिए मैनपॉवर की उपलब्धता बढ़ाने पर सरकार द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एमपीपीएससी द्वारा जुलाई एवं अगस्त माह तक दो हजार मेडिकल ऑफिसर्स और विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। एमपीईएसबी द्वारा नियमित रूप से भर्ती की जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को गति मिलेगी और दूरदराज क्षेत्रों में भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ होंगी।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कर्मचारी एवं फील्ड वर्कर ही आमजन तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच का प्रथम संपर्क होते हैं। ऐसे कर्मचारियों के वेतन भुगतान में यदि देरी होती है, तो इससे उनके मनोबल पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इन कर्मचारियों के वेतन भुगतान में किसी भी स्तर पर विलंब न हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत चिकित्सकों को देय एनपीए (नॉन प्रैक्टिसिंग अलाउंस) के भुगतान में आ रही तकनीकी समस्याओं को शीघ्र सुलझाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सभी बाधाओं को प्राथमिकता से दूर कर समय से भुगतान किया जाए। उन्होंने मेडिकल कॉलेजों के अधिष्ठाताओं के वेतन संरक्षण (पे प्रोटेक्शन) से जुड़े निर्णय, जिन्हें कैबिनेट से मंजूरी प्राप्त है, के विभागीय आदेश शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की मांगों पर शीघ्र कार्रवाई के दिए निर्देश

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों की समीक्षा की। उन्होंने संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की लम्बित मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल यथोचित कार्रवाई के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि संविदा कर्मियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाए ताकि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की बाधा न आए। साथ ही, उन्होंने विभागीय रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता के साथ भर्ती प्रक्रिया को संपन्न किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अधोसंरचना विकास के कार्यों की और निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हों। साथ ही, स्वास्थ्य संस्थानों के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीदी की कार्यवाही में गति लाने के निर्देश भी दिए, ताकि मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सुलभ हो सकें। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की प्रबंध संचालक डॉ. सलोनी सिडाना सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

दुनिया को मीडिया का महत्व बताने का दिन

हर समाज में एक ऐसी आवाज़ होती है जो सत्ता से सवाल कराने के साथ-साथ, समाज के समक्ष सच्चाई को उजागर करती है और आम जनता की भावनाओं को शब्द देने का काम करती है। ऐसी आवाज को प्रेस कहा जाता है, जिसे हम आम बोलचाल की भाषा में मीडिया या समाचार माध्यम भी कहते हैं। लेकिन जब उस आवाज़ को चुप कराया जाए, दबाया जाए या डराया जाए, तब समाज की आत्मा भी घुटने लगती है। इसी भाव को ज़िंदा रखने और दुनिया को मीडिया का महत्व बताने के उद्देश्य से हर साल 3 मई को 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' मनाया जाता है। हर साल इस दिन की एक खास थीम होती है, जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित किया जाता है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 2025 की थीम ए प्रेस फॉर द प्लैनेट है, जो जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता हानि और प्रदूषण सहित वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों को संबोधित करने में पत्रकारिता की भूमिका पर केंद्रित है। यह दिन केवल पत्रकारों या मीडिया संस्थानों का दिन नहीं है, यह दिन है हर उस व्यक्ति का, जो यह चाहता है कि उसे सच जानने का अधिकार मिले। यह दिन पत्रकारिता की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति के अधिकार और मीडिया की भूमिका को सम्मान देने के लिए समर्पित है। इसका उद्देश्य स्वतंत्र प्रेस की अहमियत को उजागर करना और पत्रकारों की सुरक्षा की ओर ध्यान आकर्षित करना है। यह दिन दुनिया भर में सूचना की आज़ादी और लोकतंत्र को मजबूत करने का प्रतीक माना जाता है विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस प्रेस की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति के अधिकार और मीडिया की भूमिका को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। इस दिन को मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्र प्रेस की अहमियत को दर्शाना है। यह दिन पत्रकारों की सुरक्षा की ओर ध्यान आकर्षित करता है। यह दिन दुनिया भर में सूचना की आजादी और लोकतंत्र को मजबूत करने का प्रतीक है। यह दिन पत्रकारों को स्वतंत्र रूप से काम करने के अधिकार को दर्शाता है। इस दिन को मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता का सम्मान और समर्थन करना है और यह अभिव्यक्ति की आज़ादी के महत्व को भी रेखांकित करता है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य प्रेस की आजादी की रक्षा करना है। यह दुनिया भर में सुरक्षित और स्वतंत्र पत्रकारिता के माहौल की मांग करता है। इस दिन पत्रकारों पर होने वाले हमलों और दबावों की ओर ध्यान खींचा जाता है। यह दिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लोकतंत्र की नींव के रूप में जाना जाता है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाए जाने की शुरूआत की थी। दरअसल, 1991 में विंडहोक सम्मेलन के बाद यूनेस्को ने इसकी सिफारिश की थी। विंडहोक घोषणापत्र में स्वतंत्र प्रेस के महत्व को रेखांकित किया गया था। तब से हर साल 3 मई को वैश्विक स्तर पर विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाने लगा। बता दें कि पत्रकारों को अक्सर धमकियों, हमलों और सेंसरशिप का सामना करना पड़ता है। कई बार पत्रकारों को जान से मारने की धमकी मिलती है। ताकतवर समूह और सरकारें पत्रकारों की आवाज को दबाने का प्रयास करते हैं। दिन प्रेस की स्वतंत्रता के मूल सिद्धांतों को सम्मानित करने, वैश्विक स्तर पर मीडिया की स्वतंत्रता की स्थिति की समीक्षा करने, स्वतंत्र पत्रकारिता की रक्षा करने और उन पत्रकारों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है जिन्होंने सच्चाई के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह दिन सरकारों को प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की याद दिलाता है और मीडिया पेशेवरों को उनकी भूमिका, जिम्मेदारियों और नैतिकता पर विचार करने का अवसर देता है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1993 में घोषित किया था, जब यूनेस्को के आम सम्मेलन ने इसकी सिफारिश की थी। 3 मई की तिथि को विंडहुक घोषणा की वर्षगांठ के रूप में चुना गया था। यह घोषणा 1991 में नामीबिया के विंडहुक शहर में अफ्रीकी पत्रकारों द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर की गई थी।

मोदी :- योगी जी आपके पास कोई ऐसी तरकीब है जिससे कश्मीर का मामला हमेशा के लिए खत्म हो जाय
योगी :- मेरे पास तो तरकीबों का भंडार है
मोदी :- बताइये फिर
योगी :- कश्मीर का नाम बदल कर श्रीराम रख दो फिर पाकिस्तान वाले कभी नहीं बोलेंगे की श्रीराम मेरा है

दांव तो मोदी से सीखें

के. विक्रम राव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कांग्रेसी विपक्ष पर हमला करने का मौका कभी नहीं चूका। हास्य की शैली उनका विशेष हथियार रहा। आज सागरतटीय तिरुवनंतपुरम की सभा में मार्क्सवादी मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और कांग्रेसी सांसद शशि थरूर के साथ वे मंच पर आसीन थे। अपने चिरपरिचित गुजराती मजाकिया लहजे में विशाल भीड से कह दिया कि ÷न जाने कितनों की नींद आज रात उड़ जाएगी।÷ याद रहे सांसद थरूर को हराकर मल्लिकार्जुन खरगे पार्टी अध्यक्ष बने थे।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी सोनिया कांग्रेस की विरोधी है। सोनिया के खास सचिव केसी वेणुगोपाल और मार्क्सवादी विजयन घोर शत्रु हैं।

ऐसा परिदृश्य देखकर मोदी ने सोनिया पर भी हमला बोल दिया। प्रधानमंत्री ने कहा ÷मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहता हूं कि आप इंडी गठबंधन के मजबूत स्तंभ हैं। शशि थरूर भी यहां बैठे हैं। आज का यह कार्यक्रम कई लोगों की नींद उड़ाने वाला है। जहां मैसेज जाना था चला गया।÷

इस आर्थिक संदर्भ में राजनीतिक पुट घोलते हुये मोदी ने उद्योगपति गौतम अडानी का मंच पर स्वागत किया, मार्क्सवादी मुख्यमंत्री और कांग्रेसी सांसद के साथ। अर्थात विपक्ष के नेता राहुल गांधी का अडानी विरोधी तराना बेसुरा हो गया।

अडानी और थरूर बड़े गर्मजोशी से मिले जो लाखों केरलावासियों ने ध्यान से देखा होगा।

केरल तट पर निर्मित विझिनजम अंतर्राष्ट्रीय गहरे पानी के बहुउद्देशीय बंदरगाह के बारे में बताते हुए पीएम मोदी ने कहा ÷यहां दुनिया के बड़े मालवाहक जहाज आसानी से आ सकेंगे। अभी तक भारत का 75त्न ट्रांसशिपमेंट देश के बाहर के पोर्ट्स पर होता था इससे बहुत बड़ा नुकसान होता आया है। ये परिस्थिति अब बदलने जा रही है। अब देश का पैसा देश के काम आएगा। जो पैसा बाहर जाता था अब वो केरल और विझिनजम के लोगों के लिए नए अवसर लेकर आएगा।÷

विझिनजम में अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी भी मौजूद रहे। उन्होंने पीएम मोदी का अभिनंदन किया। यह परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड के साथ मिलकर तैयार की जाएगी।

मोदी ने कहा कि आज भगवान आदि शंकराचार्य की जयंती है। तीन वर्ष पूर्व सितंबर में मुझे उनके जन्मभूमि क्षेत्र में जाने का सौभाग्य मिला था। केरल से निकलकर देश के अलग-अलग कोनों में मठों की स्थापना करके आदि शंकराचार्य जी ने राष्ट्र की चेतना को जागृत किया। इस पुनीत अवसर पर मैं उन्हें नमन करता हूं।÷

आज शाम को आंध्र की राजधानी अमरावती में एक जनसभा में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के साथ दिखे। गमनीय है कि चंद्रबाबू नायडू के सांसदों के समर्थन से मोदी सरकार लोकसभा में बहुमत पाए हुए है। इन दोनों राज्यों में खरबों रुपयों की लागत से विकास योजनायें नरेंद्र मोदी ने आज से चालू कराई। पड़ोस में तमिलनाडु के द्रमुक मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और कर्नाटक में कांग्रेसी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया क्या सोचते होंगे?

अध्यक्ष - इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स।

अमेरिका से रणनीतिक सहयोग पर... फिर सोचना होगा

■ डॉ. ब्रह्मदीप अलूने
वैदेशिक मामलों के जानकार

सामरिक साझेदारी और साझा सुरक्षा हित अमेरिका को अपने वैश्विक उद्देश्य पूरे करने में सहायता करते रहे हैं। ट्रम्प की वैदेशिक नीति ने अमेरिकी की स्थापित वैश्विक अवधारणा को बदलते हुए इसे आर्थिक फायदों और व्यापारिक संरक्षणवाद पर केंद्रित कर दिया है। ट्रंप का दृष्टिकोण पारंपरिक कूटनीतिक दृष्टिकोणों से हटकर अत्यधिक व्यावहारिक नजर आता है और इसे पहलगाम में हुए आतंकी हमलें के बाद भारत ने बखूबी महसूस भी किया है। इस समूचे घटनाक्रम में अमेरिकी प्रतिक्रिया बेहद सामान्य रही है।

बदलती वैश्विक परिस्थितियों तथा चीन और अमेरिका की कड़ी प्रतिद्वंदिता के बीच अमेरिका की एशिया प्रशांत नीति के केंद्र में भारत है। भारत अमेरिका का एक सैन्य,रणनीतिक साझेदार,आर्थिक और व्यापारिक सहयोगी तथा वैश्विक कूटनीतिक शक्ति के रूप में अमेरिका के हितों को बढ़ावा देता है। भारत और ईरान के सम्बन्ध अमेरिकी हितों का खयाल रखने के कारण प्रभावित हो चुके है। भारत और ईरान के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध गहरे हैं,ट्रंप प्रशासन के पहले दौर में,भारत को अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाना पड़ा। ट्रंप प्रशासन ने मई 2018 में ईरान परमाणु समझौते से अमेरिका को बाहर निकाल लिया और दोबारा कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए। भारत ईरान से तीसरा सबसे बड़ा तेल खरीदार था। लेकिन जब अमेरिका ने ईरान को लेकर कड़ी नीति अपनाई तब भारत ने ईरान से तेल आयात पूरी तरह बंद कर दिया। भारत के लिए यह बेहद घाटे का सौदा था जिसे भारत ने स्वीकार किया। अब भी भारत अमेरिकी हितों का संवर्धन करते हुए अपनी वैदेशिक नीति का संचालन करता है,पर अमेरिका भारत के हितों के प्रति जवाबदेह नजर नहीं आता और इससे भारत को सतर्क रहने की जरूरत है।

भारत अमेरिका के शीर्ष रक्षा खरीददारों में से एक है। भारत और अमेरिका नियमित रूप से त्रिपक्षीय या बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास करते हैं। हिन्द महासागर की सुरक्षा रणनीति,ऊर्जा,समुद्री नियंत्रण,तकनीक और वैश्विक शक्ति संतुलन को लेकर भारत और अमेरिका के बीच सहयोग निरंतर बढ़ा है। अमेरिका भारत के साथ मिलकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के प्रभाव को संतुलित करता है। यह एक भू-राजनीतिक सहयोग है क्योंकि यह समुद्री सुरक्षा,शक्ति संतुलन और रणनीतिक नियंत्रण से जुड़ा है। भारत को दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन,इंडो-पैसिफिक में नौसैनिक रणनीति और चीन की घेराबंदी जैसी रणनीतियां बनानी पड़ती हैं वहीं अमेरिका की विदेश नीति बहुआयामी,सामरिक और स्वहित केंद्रित होती है।

चीन वन बेल्ट वन रोड परियोजना को साकार कर दुनिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहता है और उसके केंद्र में हिन्द प्रशांत क्षेत्र की अहम भागीदारी है। भारत अपनी सुरक्षा मजबूरियों के चलते अमेरिका का स्वभाविक सहयोगी बन गया है। चीन पाकिस्तान की बढ़ती साझेदारी ने भारत की सामरिक समस्याओं को बढ़ाया है। चीन पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट का प्रमुख भागीदार है। श्रीलंका का हंबनटोटा पोर्ट,बांग्लादेश का चिटगाँव पोर्ट,म्यांमार की सितवे परियोजना समेत मालद्वीप के कई निर्जन द्वीपों को चीनी कब्जे से भारत की समुद्री सुरक्षा की चुनौतियां बढ़ गई है। दक्षिण चीन सागर का इलाक़ा हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच है और चीन, ताइवान, वियतनाम, मलेशिया,इंडोनेशिया,ब्रुनेई और फिलीपींस से घिरा हुआ है। यहां आसियान के कई देशों के साथ चीन विवाद चलता रहता है। चीन पर आर्थिक निर्भरता के चलते अधिकांश देश चीन को चुनौती देने में नाकामयाब रहे थे। क्वाड के बाद कई देश खुलकर चीन का विरोध करने लगे थे और यह भारत की कोशिशों से ही संभव हुआ था। लेकिन चीन को सीमित करने के लिए बढ़ते भारत अमेरिकी सहयोग को ट्रम्प की संरक्षणवाद की नीति ने झटका दे दिया। वहीं पाकिस्तान को लेकर अमेरिका की नीति से भारत आशंकित है। मध्य और दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बनाएं रखने के लिए अमेरिका पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति को बेहद खास मानता है। अमेरिका ने पाकिस्तान को गैर-नाटो प्रमुख सहयोगी का दर्जा दिया है जिससे उसे सैन्य सहायता और अन्य सहयोग मिलना सुनिश्चित हुआ है। अफगानिस्तान में अमेरिकी सैन्य अभियानों के लिए पाकिस्तान की भूमिका अहम रही। दोनों देशों के रिश्तों में उतार चढ़ाव के बाद भी अमेरिका के लिए पाकिस्तान एक आवश्यक सहयोगी है। दोनों देशों के रिश्ते रणनीतिक जरूरतों पर आधारित है।

अमेरिका की विदेश नीति और सैन्य रणनीतियां आमतौर पर सीधी सैन्य भागीदारी से बचने पर आधारित रहती हैं,जब तक कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शांति के लिए आवश्यक न हो। अफगानिस्तान में अमेरिका ने इसलिए सैन्य हस्तक्षेप किया था क्योंकि वहां की तालिबान सरकार ने अल कायदा को मदद और पनाह दी थी। यदि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध होता है,तो अमेरिका भारत का रणनीतिक साझेदार होने के बाद भी किसी सैन्य भागीदारी से दूर रहेगा। पाकिस्तान और भारत दोनों के साथ उसके व्यापारिक और सुरक्षा हित हैं। ऐसे में अमेरिका से किसी सहयोग की आशा नहीं की जा सकती।

अमेरिका केवल वहीं हस्तक्षेप करता है जहां उसके हित प्रभावित हों। अमेरिका अपने विरोधियों पर प्रतिबंध,आर्थिक दबाव,कूटनीतिक अलगाव जैसी रणनीति अपनाता है। चीन,रूस,ईरान,उत्तर कोरिया आदि की शक्ति को सीमित करने के लिए वह अलग अलग रणनीति पर काम करता रहा है। अमेरिका मित्र राष्ट्रों के हितों के लिए किसी अलगाव की नीति अपनाने से परहेज करता है। ट्रम्प तो बहु पक्षीय सुरक्षा संगठनों को अमेरिकी हितों के लिए बेकार बता चूके है। नाटो गठबंधन ने यूरो-अटलांटिक क्षेत्र,भूमध्य सागर और खाड़ी क्षेत्र के देशों के साथ संरचित साझेदारी का एक नेटवर्क विकसित किया है साथ ही दुनिया भर के अन्य भागीदारों के साथ व्यक्तिगत संबंध भी बनाए हैं। नाटो कई भागीदार देशों के साथ संवाद और व्यावहारिक सहयोग करता है और राजनीतिक और सुरक्षा-संबंधी मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ता है। ट्रम्प ने बार-बार नाटो की आलोचना की और यूरोपीय देशों को अपने सुरक्षा खर्च खुद उठाने की बात कही है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यूक्रेन को समर्थन देने के बदले में दो शर्तें पेश की एक तो यह कि यूक्रेन के परमाणु संयंत्र अमेरिका के नियंत्रण में आ जाएं और दूसरे अमेरिका को यूक्रेन की खनिज संपदा के दोहन का अवसर मिले। यूक्रेन को लेकर ट्रम्प की नीति से यह स्पष्ट हो गया की अब अमेरिका के लिए रणनीतिक सुरक्षा समझौते महत्वपूर्ण नहीं रहे है। अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एक नई और स्थायी अंतरराष्ट्रीय संरचना बनाने की कोशिश की थी। इसमें संयुक्त राष्ट्र,विश्व बैंक,अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता और कई सुरक्षा समझौते और गठबंधन शामिल थे जिनमें सबसे खास नाटो था। ट्रम्प नाटो की उपयोगिता और यूक्रेन के भू-राजनैतिक महत्व को नकार सकते है तो वे अमेरिका की एशिया प्रशांत नीति और क्वाड से भी पीछे हट सकते है।

भारत के हितों का ध्यान रखते हुए पाकिस्तान को लेकर कोई कड़े कदम उठाएं,इसकी संभावना बेहद कम है। सामरिक महत्वाकांक्षाएं अक्सर रणनीतिक होती है जबकि आर्थिक और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं में यथार्थवाद हावी होता है। ट्रम्प की नीतियों से साफ है की भारत और अमेरिका के आर्थिक सम्बन्ध तो गतिशील हो सकते है लेकिन रक्षा रणनीति को लेकर इस देश पर भरोसा नहीं किया जा सकता। रक्षा मामलों को लेकर अमेरिका पर बढ़ती निर्भरता किसी निर्णायक युद्द में भारी पड़ सकती है। भारत अपनी भू-रणनीतिक स्थिति के कारण किसी एक महाशक्ति के साथ पूर्ण सहयोग पर चलने की नीति को नहीं अपना सकता। भारत को रूस,अमेरिका और यूरोपियन देशों से मित्रतापूर्ण सम्बन्धों की समान जरूरत है। इस्लामिक देशों के साथ भारत के मजबूत रिश्तें बने है,वहीं इजराइल राइल के सेंसर,हेरोन ड्रोन,हाथ में पकड़कर चलाए जा सकते वाले थर्मल इमेजिंग के उपकरणों और रात में देखने में मदद करने वाले औज़ारों ने भारत को नियंत्रण रेखा के उस पार से घुसपैठ रोकने और कश्मीर घाटी में आतंकवाद के ख़िलाफ़ अभियानों में काफ़ी मदद दी है। भारत,इज़राइल से जो हथियार ख़रीदता है,उनमें मानवरहित विमान,मिसाइलें और रडार सिस्टम का दबदबा है। पाकिस्तान से युद्द की स्थिति में रूस और इजराइल का सामरिक समर्थन,इस्लामिक देशों की तटस्थता और यूरोप का आतंकवाद के खिलाफ समर्थन भारत के लिए उम्मीदें बढ़ा सकता है,वहीं अमेरिका को लेकर भारत को अपनी भविष्य की नीति पर नए तरीके से विचार करने की जरूरत है। अंततः अविश्वसनीय सहयोगियों के सहारे युद्द के मैदान में होना आत्मघाती हो सकता है और अमेरिका भारत के लिए ऐसा ही अविश्वसनीय रणनीतिक साझेदार की भूमिका में दिखाई पड़ रहा है।

प्रेस का कुशल मंगल आखिर किसके लिए

जयराम शुक्ल

संविधान के प्रावधानों से इतर लोकमानस में चौथे स्तंभ के तौरपर स्थापित प्रेस आज भी अन्य स्तंभों से ज्यादा विश्वसनीय, सहज और सुलभ है। समस्याओं से घिरा आम आदमी सबसे पहले अखबार के दफ्तर में जाकर फरियाद करता है। थाने, दफ्तरों और भी सरकरी गैर सरकारी जगहों में जब वह दुरदुराया जाता है तो उसका आखिरी ठिकाना भी प्रेस का ही दफ्तर होता है। यह छपे हुए शब्दों की ताकत है जो प्रेस को तमाम लानतों मलानतों के बावजूद प्रभावी बनाए हुए है।

बहुत सी धारणाओं की स्थापना लोकमानस के जरिये होती है। जैसे प्रेस का मतलब आज भी अखबार और पत्रिकाएं हैं न कि टीवी चैनल और बेव पोर्टल। इसलिए प्रेस के समानांतर मीडिया के नाम को चलाने के जतन शुरू हुए लेकिन प्रेस शब्द का रसूख कायम है। इस शब्द को अभी भी ऐसा उच्च सम्मान प्राप्त है कि अपराधी भी प्रायः इसे ढाल की तरह इस्तेमाल करने लगते हैं। कमाल की बात है कि जिस प्रेस शब्द को भारतीय संविधान ने अपने पन्नों में भी जगह नहीं दी उसे लोक मानस ने आगे बढ़कर सिरोधार्य किया।

अस्सी के दशक के शुरुआती वर्षों में जब टेलीविजन आया तो लोगों ने यह कहना शुरू कर दिया कि अखबारों के दिन गए। प्रेस के भविष्य पर गंभीर चर्चाएं शुरू हुईं। लेकिन टीवी का आना फायदे का ही साबित हुआ। अखबार ज्यादा सतर्क हुए। रंगीन होने का दौर शुरू हुआ। लेआउट्स और प्रोडक्शन की दृष्टि से क्रांतिकारी परिवर्तन हुए। बड़े घरानों से लेकर मध्यम दर्जे तक के अखबार प्रतिष्ठानों में आर एंड डी(रिसर्च एन्ड डवलपमेंट) के विभाग खुले।

अस्सी के दशक को आप प्रेस का सुनहरा दौर कह सकते हैं। खुफिया कैमरे, और बटन रिकार्डर नहीं थे फिर भी एक के बाद एक सनसनीखेज खोजी रिपोर्ट्स आई जिनकी नजीर आज भी दी जाती है। अंतुले सीमेंट घोटाला कांड का परदाफाश हुआ, इसके बाद खोजी खबरों की झड़ी सी लग गई। सबसे बड़ा धमाका 86-87 में बोफोर्स का हुआ।

रविवार, दिनमान, माया, इलुस्ट्रेटेड वीकली, साप्ताहिक हिंदुस्तान, धर्मयुग जैसी पत्रिकाएं दैनिक अखबारों से लोहा लेने लगी। अखबार और पत्रिकाओं में आगे निकलने की कड़ी स्पर्धा शुरू हुई। इस दशक में रिकॉर्ड तोड़ पाठक बढ़े और उसी हिसाब से नए अखबार और जमे-जमाए अखबारों के संस्करण। दूरदर्शन काला- सफेद से रंगीन हुआ। दर्शक जीवंत खबरें देखने लगे। टीवी अखबारों के लिए कैटलिस्ट साबित हुआ। पढ़ने की भूख जगी। यह प्रेस पर पाठकों की कृपा है, ये इज्जत, शोहरत, ताकत लोक की वजह से है सरकार की वजह से नहीं, यह बात अच्छे से समझ लेना चाहिए।

छपे हुए शब्द आज भी सबसे ज्यादा विश्वसनीय और खरे हैं। हाल ही की एक सर्वे रिपोर्ट बताती है कि पाठकों का भरोसा मुद्रित माध्यमों के प्रति और बढा है। 1990 के बाद निजी क्षेत्र के चैनल आए। खबरों की बड़ी.स्पर्धा शुरू हुई। विदेशी चैनलों के लिए भी दरवाजे खोल दिए गए। एक बार फिर इस जनसंचार क्रांति से ऐसा लगा कि अखबार और पत्रिकाओं का भट्ठा बैठ जाएगा। कुछ शुरुआती असर दिखा भी लेकिन लोकमानस में चैनल्स खबरों को लेकर अपनी छाप नहीं छोड़ पाए, जबकि ये ऐसे माध्यम हैं कि खबरें जीवंत दिखती हैं।

सर्वे ये बताते हैं कि चैनल्स अखबारों के हित में ही रहे। खबरों की भूख बढ़ाने का काम किया अखबार और भी गंभीरता से पढ़े जाने लगे। प्रसार के हर साल जारी होने वाले आँकड़े बताते हैं कि अखबारों के प्रसार का दायरा दिनोदिन बढ़ता ही जा रहा है।

अब आते हैं प्रेस की स्थिति पर। प्रेस की इस महत्ता ने हर क्षेत्र के व्यवसाइयों को अपनी ओर खींचा है। बिल्डर,चिटफंडिये,खदानों और शराब का ठेका चलाने वाले, राजनीति में रसूख जमाने की लालसा

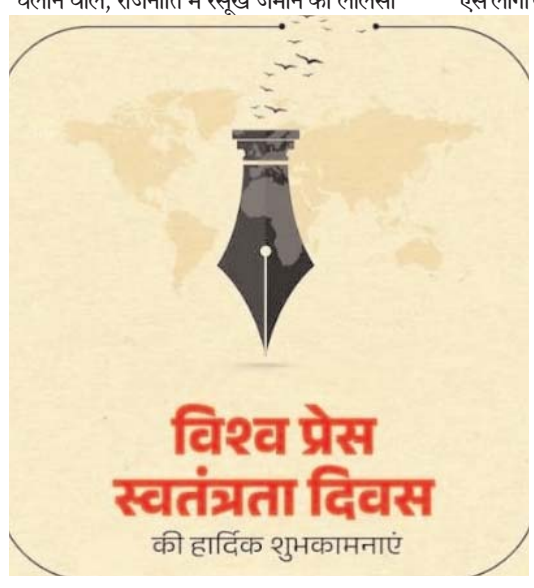

रखने वाले नवकुबेर, प्रेस ने सभी को लुभाया।

एक बड़े व्यापारी ने सच्चा किस्सा बताया- मैं एक हजार करोड़ के टर्न ओवर वाला व्यापारी किसी काम से बल्लभभवन गया पीएस से मिलने। चार घंटे बैठे रहने के बाद भी मेरा नंबर नहीं आया जबकि विधिवत् अपाइंटमेंट ले रखा था। कुछ लोग आते सीधे चैम्बर में घुस जाते। मैंने पूछा ये कौन लोग हैं? चपरासी ने बताया कि ये प्रेस वाले हैं। तभी मेरे दिमाग में आया कि क्यों न हम भी प्रेस शुरू कर दें। उक्त व्यवसायी ने अखबार शुरू कर दिया। अच्छे पत्रकारों को नौकरी में रख लिया फिर हुआ यह कि जो कभी चार घंटे पीएस का इंतजार करते बैठा करता था उसके ही दफ्तर उस पीएस के मंत्री और यहां तक कि मुख्यमंत्री भी आने लगे।

ऐसे लोगों के लिए अखबार व्यवसाय का कवच और विजिटिंग कार्ड बन गया। यहीं से एक मुगालता और शुरू हुआ कि ऐसे व्यवसायी जो अखबार के मालिक बन गए, ने सोचा क्यों न अखबार के दम पर उल्टीसीधी फाइलें ओके करवा ली जाएं यानी कि अखबार को कट्टे की तरह इस्तेमाल करने की कोशिशें हुईं। प्रेस को जब आप प्राँस बनाएंगे तो प्रेस की आत्मा वहीं शरीर छोड़कर भाग जाएगी। एक मित्र गिनती लगाकर बता रहे थे कि कोई दो दर्जन से ज्यादा ऐसे अखबार और चैनलों के मालिक हैं जो जेल की हवा खा रहे हैं। कईयों के यहां ऐसे छापे पड़े कि वे अबतक सँभल नहीं पा रहे हैं।

कहने का आशय यह कि प्रेस को पेशेवराना अंदाज से ही चलाया जा सकता है इसलिये मीडिया के पुराने घराने ही इस मैंदान में कायम हैं। वे वो हर तिकड़म जानते हैं कि कैसे उनका रसूख भी कायम रहे और मीड़िया का धंधा भी चलता रहे। 1966 में प्रेस कौंसिल आफ इंडिया के गठन के बाद अखबारों में काम करने वालों के हित में कई वेजबोर्ड बने। तीस साल से बछावत, बेजबरुआ और मजीठिया का नाम सुन रहे हैं, शायद ही किसी मीड़िया घराने ने ईमानदारी से इनकी सिफारिशें लागू की हों। ये सभी बोर्ड सुप्रीम कोर्ट के माननीय जजों की अध्यक्षता में बने। इन दिनों मजीठिया की सिफारिशों को लागू करने पर जोर है।

प्रायः सभी बड़े मीडिया समूहों ने इसका रास्ता निकाल लिया। अपनी ही आउटसोर्स कंपनियां बना लीं और पत्रकारों को नौकरी छोड़ने या आउटसोर्स कंपनी में काम करने का विकल्प रखा। मजबूरी में पत्रकार ने इसे स्वीकार कर लिया। अभी कुछ दिन पहले दिल्ली के एक बड़े मीडिया समूह से निकाले गए एक पत्रकार की लावारिस मौत सुनकर दहल गया। वह न्याय को लेकर लड़ाई लड़ रहा था। व्यवस्था ने साथ नहीं दिया।

प्रेस कौंसिल यह भी तय नहीं कर सकता कि किसे पत्रकार कहा जाए किसे नहीं। सबसे बड़ा झगड़ा यह है कि टीवी और डिजिटल मीडिया को प्रेस क्यों माना जाए..! और माना जाए तो प्रेस कौंसिल ने उसे किस तरह परिभाषित किया है इसपर कभी कोई गंभीर विमर्श नहीं हुआ। इसबीच समानांतर मीडिया की भी बात हाशिए से मुखपृष्ठ पर आ गई। फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग ने वाशिंगटन की जार्जटाउन यूनिवर्सिटी के एक व्याख्यान में कहा कि सोशल मीडिया अब दुनिया का पाँचवाँ स्तंभ है। यह बात भारत के संदर्भ में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है उसकी वजह यह कि यहां अमेरिका की तरह संविधान में प्रेस को परिभाषित नहीं किया गया है। इसलिए अभिव्यक्ति की आजादी का उपभोग हर वह व्यक्ति एक पत्रकार के तौरपर कर सकता है जिसके पास अभिव्यक्ति के तकनीकी माध्यम हैं।

यह ठीक बात है की सोशलमीडिया ने अखबार वालों की लठैती पर बंदिश लगाई है..या उनके मुकाबले लठ्ठ लेकर खड़े हो गए हैं। सोशलमीडिया के साथ बड़ा खतरा दोधारी तलवार सा है। यदि ये मीडिया के भीतर या समानांतर हैं तो इनको नियंत्रित करने के लिए कोई संस्था नहीं। प्रेस कौंसिल भी नहीं।

प्रेस कौंसिल तो ऐसा नखदंत विहीन वाँचडाग है जो सिर्फ भोंक सकता है इससे ज्यादा कुछ नहीं। अखबार मालिकों पर ऐसे भोंकने वालों का कभी असर नहीं पड़ा। हमारे संविधान निर्माताओं ने प्रेस के साथ ज्यादती की है। प्रेस को अभिव्यक्ति का उतना ही अधिकार है जितना कि एक आम नागरिक का। इस तरह हर व्यक्ति पत्रकार है जो अभिव्यक्ति की आजादी का इस्तेमाल करता है। भारत में पत्रकार कोई संवैधानिक शब्द नहीं है।

अमेरिका, यूरोप में ऐसी स्थिति नहीं है। वहां प्रेस संविधान के अनुच्छेद में है और उसकी स्वतंत्राता को चुनौती नहीं दी जा सकती। अमेरिकी पत्रकार सैमूरहर्ष ने मोरारजी को सीआईए का एजेंट लिखा। मोरारजी ने इसपर मुकदमा कायम किया। अमेरिकी अदालत ने बर्डन आफ प्रूफ का जिम्मा मोरारजी पर छोड़ दिया। सरकार इंदिरा जी की थी। मोरारजी को सरकार ने ऐसे दस्तावेज नहीं उपलब्ध कराए कि वे खुद को निर्दोष साबित कर सकें। सैमूरहर्ष जानते थे कि मोरारजी पर दोष नहीं निकलेगा। फिर भी मोरारजी कुछ नहीं कर पाए।यह कलंक लिए हुए ही मरे।

हमारे यहां इसकी उलट स्थिति है। क्योंकि पत्रकार की औकात सामान्य नागरिक से ज्यादा कुछ भी नहीं। पत्रकार पर मुकदमा लगता है तो उसे साबित करना होता है कि जो हमने लिखा वो ठीक लिखा। सो प्रेस की आजादी और सुरक्षा की बात करनी है तो संविधान संशोधन कर प्रेस को संविधान के दायरे में लाया जाए। उसका अलग अनुच्छेद बने। और लिखा जाए की प्रेस की स्वतंत्रता को चुनौती नहीं दी जा सकती। वकील,डाक्टर की तरह पत्रकार की न्यूनतम योग्यता तय की जाए। तभी हम भविष्य के प्रेस का कुशल मंगल देख सकते हैं। वरना कितने भी कानून आएं,आयोग और बोर्ड बनें, हर साल राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाएं कुछ होना जाना नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

एक तरफ मप्र पुलिस पर लगातार हो रहे हमले दूसरी तरफ नंबर 1 का तमगा

नीमच। मध्यप्रदेश शासन द्वारा हाल ही में प्रदेश के सभी जिलों में कराया गया एक विशेष गोपनीय सर्वे, जिसमें जनता की नजरों से पुलिस की कार्यशैली को परखा गया, उसमें नीमच पुलिस ने पूरे प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। इस सर्वे का नेतृत्व पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश (डीजीपी) ने सीएम मोहन यादव के निर्देशों के अनुरूप किया था। वहीं दूसरी तरफ एमपी में पुलिस पर लगातार हमले हो रहे हैं। और एक तरफ सर्वे में पुलिस नंबर वन का तमगा हासिल कर रही है।

11 सवालों से तय हुआ पुलिस का काम: इस सर्वे में पुलिस विभाग ने सीधे जनता से पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल किए। इसी आधार पर सभी जिलों की रैंक तैयार की गई। पुलिस कर्मियों और अधिकारियों के व्यवहार से लेकर कार्य की पारदर्शिता तक 11 प्रमुख प्रमुख बिंदुओं पर जनता से गोपनीय राय ली गई। इनमें शामिल थे।

देश में चार जातियों की दुहाई देने वाले जातिगत जनगणना को हुए राजी : कांग्रेस

जबलपुर। मध्य प्रदेश मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओबीसी विभाग) प्रदेश उपाध्यक्ष, पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी टीकाराम कोष्टा ने कहा कि लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा सदन से लेकर सड़कों तक पूरे देश में सदियों से पीड़ित शोषित पीड़ित ओबीसी को राष्ट्रीय विकास में भागीदार बनाने हेतु जातिगत जनगणना को जरूरी बताया जिससे राहुल गांधी को दलित ओबीसी अल्पसंख्यक वर्गों के समुदाय से मिल रहे अपार जन समर्थन से भयभीत होकर देश की जो सरकार कल तक देश में केवल चार जातियों की बात करती थी और जातिगत जनगणना से समाज की एकता अखंडता को खतरा बताने वालों को राहुल गांधी द्वारा उठाए गए मुद्दे से सहमत होकर ओबीसी ,दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक समुदायों के हित में उनका हक देने मजबूर होना पड़ा। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग) टीकाराम कोष्टा ,प्रदेश कोऑर्डिनेटर अलीम मंसूरी, विजय अग्रवाल, राजेश पटेल, डॉक्टर मोइन अंसारी, मामूर गुड्डू, राजा खान, अशोक चौधरी, पवन नामदेव, रविंद्र कुशवाहा धर्मेंद्र कुशवाहा संजू ठाकुर रम्बल विश्वकर्म आदि ने सरकार से मांग की है कि जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी हेतु 50त्न आरक्षण की सीमा को तत्काल हटाने की पहल शीघ्र शुरू की जाए अन्यथा ओबीसी वर्ग आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

पशु तस्करी के फरार आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले मे सोहागपुर पुलिस ने पुश तस्करी करने वाले दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने 27 अप्रेल को जमुआ के पास से एक ट्रक को मवेशियों की तस्करी करते पड़ा था, ट्रक से 30 नग मवेशियों को मुक्त कराया गया था। पशु वाहन की पायलेटिंग करने वाले कार चालक मोहित सिंह निवासी बुढ़ार एवं पंकज सिंह निवासी रीवा अंधेरे का फायदा उठाते हुए कार से भाग गए थे। आरोपियों के विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पता तलाश की जा रही थी। इसी दौरान बुधवार को जानकारी मिली कि दोनों आरोपी फिर से पशुओं की तस्करी करने के उद्देश्य से बुढ़ार के आसपास घूम रहे हैं।

पचगांव के दो सूने घरों में लाखों की चोरी

शहडोल। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम पचगांव में बीती रात बदमाशों ने दो घरों को अपना निशाना बनाते हुए जेवर व नकदी सहित लाखों रुपए की चोरी को अंजाम दिया है। घटना की शिकायत पीड़ित पक्ष ने कोतवाली में दर्ज कराई है। पहली घटना मे पीड़िता सुनीता कुशवाहा निवासी पचगांव ने शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस को बताया कि वह बीती रात परिवार के साथ वैवाहिक कार्यक्रम में गई थी, जब लौटकर आई तो घर का ताला टूटा हुआ था,और सारा सामान बिखरा पड़ा था। अंदर रखी आलमारी से गहने गायब थे, पीड़िता ने बताया कि बदमाशों ने घर से 4 लाख रुपए के जेवर पार कर दिए हैं। वही दूसरी घटना में राजीव कुशवाहा के घर का बदमाशों ने ताला तोड़कर लगभग 5 लाख रुपए के गहने पार कर दिए। पीड़ित ने शिकायत में बताया कि वह रिश्तेदारी में एक कार्यक्रम में गया हुआ था, घर में कोई नहीं था।

पुलिस महा निरीक्षक बालाघाट ने 30 हजार का इनाम घोषित किया

मंडला। पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट जोन श्री संजय कुमार ने पुलिस रेग्यूलेशन के पैरा क्रमांक 80 (ब)(प) में प्रदत्त शक्तियों को उपयोग में लाते हुए यह उद्घोषणा की है कि थाना टिकरिया जिला मण्डला के अपराध क्रमांक 217/2024 धारा 137 (2) भारतीय न्याय संहिता में अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी हेतु जो कोई व्यक्ति या पुलिस अधि/कर्म. सूचना देगा जिससे आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित हो सके, उसको 30,000 रुपये (तीस हजार रुपये) नगद ईनाम से पुरस्कृत किया जावेगा। सूचनाकर्ता का नाम गोपनीय रखा जायेगा। एक से अधिक सूचनाकर्ता अथवा पुलिस अधि/कर्म. होने पर पुरूस्कार वितरण के संबंध में अंतिम निर्णय पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट जोन बालाघाट का होगा।

मुख्य बाजार में जाम की परेशानी को दूर करने

नगर पालिका ने लगाए बैरिकेड्स, कोटगेट ढाला में वाहन पार्किंग की तैयारी, विधायक ने समस्या को दूर करने दिए थे निर्देश

सिरोंज। व्यापारियों की शिकायत तथा हमारे संवाददाता ने पिछले दिनों भी नगर के मुख्य बाजार में प्रतिदिन लग रहे जाम की समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया था इसके उपरांत विधायक उमाकांत शर्मा ने व्यापारी और आमजन के हित में समस्या को दूर करने के लिए एसडीएम और सीएमओ के साथ बाजार भ्रमण करके निदान के निर्देश दिए थे व्यापारी भी लगातार जाम की समस्या दूर करने और वाहन पार्किंग की मांग करते आ रहे हैं। प्रशासन धरातल पर कदम उठाने के लिए काम करता नजर आ रहा है बड़े वाहनों के प्रवेश को रोकने के लिए वेरी बैरिकेड्स स्थापित किए गए हैं एवं दो स्थानों पर वाहन पार्किंग बनाने की तैयारी भी प्रारंभ कर दी है कोटगेट तथा ढाला बाजार बनाई जाएगी इसके लिए शनिवार को यहां से अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए नगर पालिका परिषद करवाई करेगी। वहीं सभी की सुविधा मिले इस उदेश को लेकर एसडीएम हर्षल चौधरी ने नगर पालिका परिषद से धरातल पर कार्रवाई करते हुए तीन स्थान कोर्ट गेट , ढाला बाजार कठली बाजार पर बैरिकेड्स स्थापित करवा दिए हैं। रात्रि 8 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश पूर्ण रूप से वर्जित रहेगा दो स्थानों पर वाहन पार्किंग की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। इसके लिए ढाला बाजार एवं कोटगेट पर अस्थाई वाहन पार्किंग बनाई जाएगी इसके लिए सबसे पहले यहां नगर पालिका परिषद को अवैध अतिक्रमण को हटाना होगा तब जाकर यहां पर अस्थाई रूप से वाहन पार्किंग का इंतजाम हो पाएगा अभी मुख्य बाजार में जाम के कारण आम से खास को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि इन वाहनों के प्रवेश पर दिन के समय में प्रतिबंध होने के बाद लोडिंग ,अनलोडिंग तथा पानी सप्लाई करने वाली गाड़ियां सर पर दौड़ रही है जाम में मुख्य भूमिका यही निभाते हैं इनको रोकने टोकने वाला कोई बाजार में रहता नहीं है बाजार में खड़े होकर पानी उतरने का काम घंटे किया जाता है सामग्री उतरने वाले लोडिंग ऑटो भी ऐसे ही खड़े रहते हैं इनके भी बड़े परेशानी होती है। व्यापारियों का व्यापार थे इनकी वजह से प्रभावित हो रहा है। इस

समय शादी विवाह की खरीदारी होने से बाजार में दो पहिया वाहन तो बड़ी मुश्किल से निकल रहे हैं पैदल चलने वाले राहगीरों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बाजार में वाहन पार्किंग के इंतजाम नहीं होने से दो पहिया वाहन चालक मुख्य बाजार में सड़क की दोनों तरफ अपने वाहनों को खड़ा करके बाजार में खरीदारी करने चले जाते हैं इस कारण से हालात और भी ज्यादा खराब हो जाते हैं। बैसे ही बाज़ार सकरा है इन वाहनों बाजार में खड़े होने से समस्या और बढ़ रही है। जाम की समस्या के निदान लिए व्यापारियों भी कई विधायक तथा प्रशासन से शिकायत कर चुके हैं। वहीं अब देखने वाली बात है कि नगर पालिका प्रशासन इस समस्या का स्थाई समाधान करेगी या फिर कुछ दिनों की व्यवस्था करके अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेगी।

बाजार से अतिक्रमाण भी हटे - मुख्य बाजार में कई व्यापारियों के द्वारा दुकानों के बाहर अवैध रूप से अतिक्रमण करके सामान को स्थापित कर दिया इसके कारण सकर बाज़ार और छोटा हो गया है उसके लिए नगर पालिका प्रशासन को जिन लोगों के द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण करके आवागमन को प्रभावित किया जा रहा है। इनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए या फिर इनको एक बार फिर समझे देकर इनके सामान को सीमा रेखा के अंदर करवाया जाए यदि ऐसा होता है तो और भी फायदा बाजार में दिखेगा अतिक्रमण से और समस्या बढ़ रही है इसको भी एक तरफ से हटाना होगा।

इनका कहना है

तीन पहिया चार पहिया वाहन का दिन के समय बाजार में प्रवेश वर्जित करने के लिए बैरिकेट्स स्थापित की है, दो स्थानों पर वाहन पार्किंग अस्थाई रूप से बना इसके लिए कोर्ट गेट और ढाला बाजार को चिन्हित के गए हैं।

रामप्रकाश साहू मुख्य नपा अधिकारी

वन विभाग ने पकड़ा इमरती लकड़ी से भरा ट्रक

शहडोल। वन विभाग ने इमरती लकड़ी से भरे ट्रक को पकड़ा है। वनवृत्त शहडोल अंतर्गत उड़नदस्ता दल ने रुंगटा तिराहे के पास से लकड़ी लोड ट्रक को रोककर वाहन चालक से पूछताछ की गई। ट्रक क्रमांक एमपी 18 एच 2630 के चालक अब्दुल वहीद के पास लकड़ी परिवहन से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं थे। वाहन मालिक मोहमद आमिर खान ने एक चालान की कॉपी दिखाई, जिसमें जलाऊ लकड़ी दर्ज थे।उड़नदस्ता दल ने ट्रक में लोड लकड़ियों से मिलान कराया तो ट्रक में विभिन्न प्रजाति की इमारती लकड़ी लोड पाई गई। वन अमले ने संबंधित वाहन को जब्त कर नरसरहा डीपो में खड़ा कराया गया है। चालान के अनुसार लकड़ियों का मिलान न होने पर डीएफओ दक्षिण वनमंडल ने राहुल सिंह सिकरवार वन परिक्षेत्र अधिकारी जैतपुर की अध्यक्षता में जांच दल गठित कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने कहा है।

विधायक के मुख्य आतिथ्य में जिला पंचायत में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव संपन्न

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। रायसेन में जिला पंचायत कार्यालय में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय लाड़ली लक्ष्मी उत्सव सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक डॉ चौधरी तथा नगर पालिका अध्यक्ष सविता सेन द्वारा कन्यापूजन और दीप प्रज्जवलन कर किया गया। लाड़ली लक्ष्मी उत्सव में विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना की शुरूआत रायसेन जिले से हुई है। यह हमारे लिए गौरव की बात है कि प्रदेश की पहली लाड़ली लक्ष्मी कु. अदीबा रायसेन जिले की है तथा वर्तमान में योजना का लाभ लेते हुए कक्षा 12वीं में अध्ययनरत है।

विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि योजना प्रारंभ होने से आज दिनांक तक रायसेन जिले में 92 हजार से अधिक बालिकाओं को लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ मिला है। लाड़ली लक्ष्मी योजना में सभी प्रकार के लाभ मिला कर एक लाख 43 हजार रूपए की राशि प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के कारण आज बेटी को बोझ नहीं वरदान समझा जाता है। बेटी के जन्म होने पर घर-परिवार में खुशियां मनाई जाती हैं। सरकार द्वारा स्कूल के साथ-साथ कॉलेज की शिक्षा के लिए भी बालिकाओं को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि सरकार महिलाओं, बालिकाओं के कल्याण और उनकी आर्थिक उन्नति के लिए निरंतर प्रयास कर रही हैं। प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना, लाड़ली बहना योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना, विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष सविता सेन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार बालिकाओं को सशक्त बनाने के लिए अनेक योजनाएं चला रही हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ पाकर बालिकाएं सशक्त हुई हैं। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सेन ने प्रतिवर्ष मनाए जा रहे लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम की सराहना की और उपस्थित लाड़ली लक्ष्मी बालिकाओं व उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम में लाड़ली लक्ष्मी क्लब की अध्यक्ष बालिका कु. सुरभि शर्मा द्वारा अपने अनुभव साझा किए गए।

विधायक डॉ चौधरी ने विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाली दो लाड़ली बालिकाओं ताईक्वांडों में गोल्ड मेडल प्राप्त वैष्णवी मालवीय और ताईक्वांडों में राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व करने वाली बालिका नायरा खत्री को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

खुद को पुलिस का अधिकारी बता कर नौकरी लगाने ठगी को दिया अंजाम

सिवनी। बिलासपुर छत्तीसगढ़ निवासी सूरज कुर्रे पिता संतोष कुर्रे नामक व्यक्ति ने बर्रा निवासी प्रियकेश यादव पिता सीताराम यादव को पुलिस में नौकरी दिलाने के नाम पर सवा तीन लाख रूपये से अधिक की ठगी की है। ठगी का यह मामला जब छपारा पुलिस के संज्ञान में आया तो पुलिस ने धोखाधड़ी करने वाले सूरज को बिलासपुर से गिरफ्तार कर पूछताछ की तथा आरोपी पर धारा-318(4), 319(2), 204 बीएनएस का मामला पंजीबद्ध किया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी प्रियकेंश यादव पिता सीताराम यादव उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम बर्रा थाना छपारा जिला सिवनी म.प्र. ने थाने में उसके साथ हुई ठगी के संबंध में आवेदन देते हुये बताया कि आरोपी सूरज कुर्रे पिता संतोष कुर्रे निवासी ग्राम पेंडरी पोस्ट मस्तूरी थाना मस्तूरी जिला बिलासपुर छतीसगढ के द्वारा स्वयं को पुलिस वाला बताकर एवं वाट्सएप मे पुलिस की वर्दी वाली पुलिस की फोटो भेजकर आवेदक को विश्वास मे लेकर पुलिस में नौकरी लगाने के नाम पर प्रियकेश यादव से नगदी, फोन पे एवं कियोस्क बैंक के माध्यम से कई किस्तों में कुल 3,26,871/- रूपये ले लिये हैं और उसे नौकरी दिलाने का झांसा देते रहा है।

प्रियकेश के प्राप्त आवेदन को गंभीरता से लेते हुये छपारा थाना प्रभारी ने पुलिस अधीक्षक सिवनी सुनील कुमार मेहता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस टीम गठित कर ठगी के आरोपी सूरज कुर्रे पिता संतोष कुर्रे निवासी ग्राम पेंडरी पोस्ट मस्तूरी थाना मस्तूरी जिला बिलासपुर छतीसगढ को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई जिसने जुर्म स्वीकार किया है एवं आरोपी से मोबाईल, आधारकार्ड, पेनकार्ड एवं वोटर आईडी कार्ड जप्त कर आरोपी गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। इस पूरी कार्यवाही में निरीक्षक खेमेन्द्र कुमार जैतवार, उपनिरी सुक्कूलाल उईके, आरक्षक गजेन्द्र समरीते, रतिभानशा इवनाती, गौरीशंकर परते की भूमिका सराहनीय रही।

जिले में कुल 5.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

शहडोल – अधीक्षक भू-अभिलेख शहडोल ने जानकारी दी है की जिले में 01 मई को कुल 5 .1 मिमी . औसत वर्षा दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्षामापी केन्द्र सोहागपुर में 3 .0 मिमी ., बुढ़ार में 25 .0 मिमी ., गोहपारू में 8 .0 मि .मी ., जैतपुर में 0 .0 मिमी, चन्नौड़ी में 0 .0 मिमी ., ब्यौहारी में 0 .0 मिमी, जयसिंहनगर में 0 .0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

दिव्य और भव्य कॉरिडोर के कार्य का 9 मई को भूमि पूजन के बाद कार्य प्रारंभ हो जाएगा: राज्यमंत्री

दमोह । प्रदेश के संस्कृति पर्यटन धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह, सांसद राहुल सिंह और दमोह विधायक जयंत मलैया ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के बांदकपुर आगमन को लेकर आज बांदकपुर में कार्यक्रम स्थल और मंदिर परिसर का जायजा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी का 9 मई को अपराह्न 3:30 बजे आगमन प्रस्तावित है। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों के साथ एक बैठक ली और समुचित दिशा निर्देश दिए।

सस्कृति राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा आगामी 09 मई को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी बांदकपुर जागेश्वरनाथ कॉरिडोर का भूमि पूजन करेंगे। भूमि पूजन के लिए एक बड़ी रचना योजना पर्यटन विभाग के द्वारा बनाई थी, उसमें 100 करोड़ का यह बड़ा कॉरिडोर बनेगा और पांच चरणों में इसका काम पूरा होगा। राज्यमंत्री लोधी ने कहा प्रथम चरण का काम 09 मई के बाद से शुरू होगा। निश्चित रूप से विधायक जयंत कुमार मलैया और सांसद राहुल सिंह लोधी सबकी यह मंशा थी कि दिव्य और भव्य कॉरिडोर बनना चाहिए। भगवान भोलेनाथ की कृपा से वैसा मंत्रालय भी उन्हें मिल गया, कहीं ना कहीं भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से यह सब संभव हो पाया है। आने वाले समय में यहाँ दिव्य और भव्य कॉरिडोर बने इसकी कार्ययोजना 9 मई को भूमि पूजन के बाद प्रारंभ हो जाएगी।सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा पूरा जीवन हमारा आराध्य प्रभु जागेश्वरनाथ जी के आशीर्वाद से यहाँ पहुंचा है। आज एक वृहद बैठक विधायक मलैया मंत्री लोधी , जिलाध्यक्ष और जिला प्रशासन के साथ जनप्रतिनिधियों ने की हैं।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, आकर्षक वेदियां, 740 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे

सांध्य प्रकाश बैतूल । मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत जिला मुख्यालय स्थित पुलिस ग्राउंड में सात सौ चालीस जोड़ों का भव्य रूप से विवाह संपन्न कराया गया। सभी वर वधु ने मंत्रोचारण के बीच खुशी खुशी एक दूसरे को वरमाला पहनाई और जीवन भर साथ निभाने का संकल्प लिया। सभी ने आकर्षक वेदियों में सात फेरे लिए। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में गाजे-बाजे के साथ बारात निकाली गई। केंद्रीय मंत्री जनजातीय कार्य दुर्गा दास उईके विधायक हेमंत खंडेलवाल ,जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे नपा अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर सुधाकर पवार अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव सहित समस्त पार्षदगण और जनपद सदस्य शामिल होकर पुष्पवर्षा से बारात की अगवानी की प्रशासन द्वारा सामूहिक विवाह आयोजन की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई। 740 जोड़े जिनमे 526 का जनजातीय रितिरिवाज 209 वैदिक पद्धति एवं 5 का निकाह संपन्न कराया गया।कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री उईके ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के कुशल प्रेरक नेतृत्व में मध्यप्रदेश स्वर्णिम राज्य बनने की ओर अग्रसर है।मध्यप्रदेश सरकार द्वारा गरीब परिवार की बेटियों की चिन्ता कर पूरी भव्यता और गरिमा के साथ उनका विवाह संपन्न कराया जा रहा है। श्री उइके ने प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की ओर से सभी नव युगल

दंपतियों को बधाई दी।विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत निर्धन परिवारों का विवाह करा मध्यप्रदेश सरकार उन्हें आर्थिक संबल प्रदान कर रही है। विवाह जैसे महत्वपूर्ण आयोजन को सभी परंपराओं के साथ धूमधाम से कर नव दंपतियों को 49 हजार की राशि भी प्रदान की जा रही है। सभी जोड़ो को सुखी दापंत्य जीवन की शूभकामनाये दी। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती बारस्कर ने कहा कि गरीब परिवार बेटियों की विवाह अच्छे से करवाने की चिंता मध्यप्रदेश सरकार ने की हैं। भाजपा अध्यक्ष सुधाकर पवार ने कहा कि बेटियों के जन्म से लेकर विवाह तक की सभी व्यवस्थाएं मध्यप्रदेश सरकार कर रही हैं। गरीब परिवार को भी अच्छे से विवाह करने का अधिकारी हैं। आज चार करोड़ पन्द्राह लाख की राशि से बैतूल में सभी जोड़ो का विवाह धूमधाम से किया हैं। कार्यक्रम मे क्रियान्वयन के लिए कुल 12 सेक्टर बनाए गए। विवाह संपन्न करने के लिए 190 से अधिक वेदियां बनाई गई। जिसमें समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए जनपद और महिला एवं बाल विकास विभाग का आमला तैनात रहा। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत,सहित महिला एवं बाल विकास विभाग लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सहित अन्य विभागों के अधिकारियों ने व्यवस्थाओं की निगरानी की है। कन्या विवाह आयोजन में भोजन और पेयजल के उत्तम प्रबंध किए गए। सभी वर वधु और उनके परिजनों को उनके निर्धारित स्थानों पर ही समय-समय पर शीतल पेयजल उपलब्ध कराया गया। धूप और गर्मी से बचाव के लिए टेंट लगाये तथा कूलर की व्यवस्था की गई थी। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत धूमधाम से विवाह संपन्न करने के लिए निकिता काशीराम मालवी, काजल पिता राजू और पूजा-पिता देवराव मर्सकोले ने मुख्यमंत्री डॉ यादव और प्रशासन का आभार माना। उन्होंने कहा कि हमारा विवाह पूरी रीति रिवाजों के साथ संपन्न कराया गया। विवाह में निकिता पूजा और काजल को अतिथियों द्वारा मंच से 49 हजार की राशि का चेक भी दिया गया।

लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा प्रेमी जोडा भी वैवाहिक बंधन में बंधा

जानकारी के मुताबिक सामूहिक विवाह समारोह में एक प्रेमी जोड़े ने सात फेरे लिए है। कई दिनों से यह प्रेमी जोडा लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे। थे। और युवती गर्भवती भी हो गई। इस प्रेमी जोड़े ने सामूहिक विवाह समारोह में सम्मिलित होकर विवाह किया है। अधिकारियों का कहना है। कि दोनों बालिग है और शासन के नियम से ही इस जोड़ें को विवाह समारोह में शामिल किया गया। विवाह समारोह के लिए शासन ने नई गाइड लाइन जारी की है। इस गाइड लाइन का पालन किया गया है। शासन के निर्देश है। कि दूसरी बार विवाह करने वालों को इस समारोह में विवाह करने के लिए पात्रता में नहीं रखा है। संभवतः पहली बार ऐसा हुआ है।

OFFICE OF MUNICIPAL COUNCIL SHAHDOL Distt. SHAHDOL (M.P.)
Notice Inviting Tender First Call
N.I.T. No./1782/ NPshahdol/e-tendering/ Date 02.05.2025
Notice Inviting e-Tenders First Call
Online PERCENTAGE RATE bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria:

S.No. / Pkg. / Code	Name of Work	District	Portable Amount (Rs. In Rupies)	EMD (in Rupees)	Cost of Document (in Rupees)	Category of Contractor	Period of Completion (in Month)
2025_ UAD_ 420756_1	LT Extension in ward no. 23 of municipal council SHAHDOL	SHAHDOL	440468/-	4406/-	2000/-	ELECTRICAL CONTRACTOR REGISTARTION IN ANY CLASS	01 Month

1. Interested bidders can view the detailed NIT & Other document on website https://mptenders.gov.in/nicgep/app (Department Name: "Urban Development Department").
2. The Bid Document can be purchased only online from (time) 03.05.2025 (date) 10.30AM TO 17.05.2025, 17:30PM
3. Amendments to NIT, if any, would be published on website only, and not in newspaper.

Chief Municipal Officer
Nagar Parishad Shahdol , District-Shahdol (M.P.)

गेहूं, सोयाबीन, चना और दालों के ताजा रेट

इंदौर, एजेंसी। मई की शुरुआत के साथ ही इंदौर की कृषि उपज मंडी में फसलों के भाव में हलचल देखने को मिल रही है। अगर आप किसान हैं या व्यापार से जुड़े हैं, तो आज का मंडी भाव आपके लिए बेहद जरूरी है। गेहूं, सोयाबीन, चना, मसूर और लहसुन जैसी फसलों के दामों में उतार-चढ़ाव जारी है।

हर दिन बदलते बाज़ार के साथ-साथ अनाज, सब्ज़ियों और फलों की क़ीमतें भी ऊपर नीचे होती रहती है। ये उतार चढ़ाव किसानों, व्यापारियों और आम लोगों से सभी को प्रभावित करते हैं। कभी फ़सल की अधिकता से दाम गिर जाते हैं तो कभी मौसम या सप्लाई चेन से रुकावट के कारण दाम बढ़ जाते हैं। आज हम आपको इंदौर मंडी में अनाज, फल और सब्ज़ियों की ताज़ा भाव बताने जा रहे हैं, ताकि आप ख़रीदारी करने या व्यापार की योजना बनाने से पहले सही जानकारी हासिल कर सके। ये दाम रोज़ाना की ख़रीद फ़रोख़्त और राष्ट्रीय बाज़ार की चाल के अनुसार बदलते रहते हैं, इसलिए अपडेट रहना ज़रूरी है।

अनाज भाव क्विंटल के अनुसार

सोयाबीन- 3700 से 4236
गेहूं- 2700 से 3850
गेहूं सुजाता- 2600
मक्का- 3000 से 3500
डॉलर चना- 7500 से 11430
देसी चना- 5100 से 7500
चना कांटा- 4100
आमचूर- 3500
मसूर- 4200 से 6900
मूंग- 4500 से 6200
मूंग एवरेज- 4500 से 6500
तुअर- 3450 से 6500
तुअर सफेद महाराष्ट्र- 3200 से 6800
निमाड़ी तुअर- 3050 से 5800
सरसों- 3150 से 5250
सरसों निमाड़ी- 5280 से 6000
उड़द बोल्ड- 6200
उड़द मीडियम- 6100 से 7500
हलका उड़द- 5700 से 7420

सब्जी भाव 10 किलो के अनुसार

सेब- 5500 से 12200
केला- 400 से 600
टमाटर- 270 से 800
कद्दू- 268 से 600
खीरा- 350 से 1000
करेला- 650 से 700
लौकी- 300 से 500
बेंगन- 280 से 340
फुल गोभी- 375 से 480
अदरक- 250 से 700
हरी मिर्च-1000 से 2500
पत्ता गोभी- 230 से 600
सहजन- 250 से 500
धनिया- 295 से 800
शिमला मिर्च- 220 से 700
टेंसी-190 से 300
नींबू-1800 से 4500

मंगलम वर्ल्डवाइड ने एफवाय25 में 46 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की!

मुंबई। मंगलम वर्ल्डवाइड लिमिटेड एक पूर्ण रूप से एकीकृत स्टेनलेस-स्टील कंपनी, ने अपनी चौथी तिमाही और वित्तीय वर्ष 2025 के लिए ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। मंगलम वर्ल्डवाइड लिमिटेड के चेयरमैन विपिन प्रकाश मंगल ने प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा, मैं वित्तीय वर्ष 25 के लिए मजबूत वृद्धि की रिपोर्ट करके अत्यंत गर्वित हूं, और हम सभी हितधारकों की अपेक्षाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम रहे हैं। यह अद्वितीय प्रदर्शन समय-समय पर किए गए कई रणनीतिक पहलों का परिणाम है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण हैं, एक सहायक कंपनी की स्थापना, जिससे हमारी उद्योग क्लाइंट बेस का विस्तार हुआ, मूल्यवर्धित उत्पादों पर जोर और हमारे ब्रांड की उपस्थिति को सुदृढ़ करना। हमारे व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो ने, जो घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की विविध मांगों को पूरा करने के लिए अनुकूलित किया गया है, इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।हमारे कैप्टिव सोलर पावर प्लांट का शुभारंभ हमारी संचालन क्षमता को बढ़ाने, लागत कम करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूती देने में सहायक होगा। जैसे-जैसे भारत मजबूत औद्योगिक विकास की दिशा में कदम बढ़ा रहा है और इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार हो रहा है, हम अपनी व्यापक उत्पाद श्रृंखला और निरंतर बाजार विस्तार प्रयासों के माध्यम से इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन गुजरात लिमिटेड 50 सालों से ऊर्जा और प्रगति का शक्ति स्रोत

अहमदाबाद। पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) लिमिटेड (एनएसई - पीआइजीएल, बीएसई - 543912), विद्युत ठेका और उपकरण उद्योग की प्रमुख कंपनियों में से एक, गर्व के साथ मना रही है अपनी स्वर्ण जयंती भारत की विद्युत अवसंरचना को समर्पित नवाचार, सेवा और संकल्प के 50 स्वर्णिम वर्ष। पद्मनाभन पिल्लै के दृष्टिकोण से स्थापित, पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन ने विश्वसनीय विद्युत समाधान देने के संकल्प के साथ अपनी यात्रा शुरू की थी। आज यह कंपनी भारत की ऊर्जा क्षेत्र की धड़कन बन चुकी है एक पूर्ण ईपीसी सेवा प्रदाता के रूप में। पाँच दशकों में कंपनी का उद्देश्य भी विकसित हुआ है- कभी घरों और उद्योगों को रोशन करना था, अब पूरे देश में जटिल पावर नेटवर्क और उच्च वोल्टेज परियोजनाओं को सशक्त बनाना है। जैसे-जैसे पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुज.) लिमिटेड अगले 50 वर्षों की ओर बढ़ रहा है, वह सुरक्षित, टिकाऊ और नवोन्मेषी ऊर्जा समाधान प्रदान करने के अपने वादे पर कायम है। प्रबंधन अपने ग्राहकों, भागीदारों और कर्मचारियों का इस अविस्मरणीय यात्रा में सहयोग और विश्वास के लिए हार्दिक धन्यवाद करता है और आने वाले दशकों में और भी बड़े कीर्तिमान स्थापित करने की आशा रखता है। पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) लिमिटेड की 50वीं वर्षगांठ के गौरवपूर्ण अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री पद्मराज पद्मनाभन पिल्लई ने कहा, हमारे लिए यह 50 साल का सफर गर्व और उपलब्धियों से भरा एक ऐतिहासिक क्षण है। 1975 में पहली परियोजना से लेकर एमटीएनएल सबस्टेशन, अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और कई अन्य प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट्स तक — हर पड़ाव पर हमारा एक ही लक्ष्य रहा है।

अवीवा लाइफ इंश्योरेंस लगातार सातवें साल बना इंडियाज मोस्ट ट्रस्टेड प्राइवेट लाइफ इंश्योर

मुंबई। भरोसे की विरासत को कायम रखते हुए अवीवा लाइफ इंश्योरेंस लगातार सातवें साल टीआरए की ब्रांड ट्रस्ट रिपोर्ट 2025 में इंडियाज मोस्ट ट्रस्टेड प्राइवेट लाइफ इंश्योरर बनकर सामने आया है। प्राइवेट लाइफ इंश्योरेंस सेक्टर में अपनी लीडरशिप को और मजबूती देते हुए अवीवा इंडिया ने वित्त वर्ष 2023-24 में 100प्रतिशत क्लेम 30 दिन के भीतर सेटल किए, जो बेस्ट क्लेम सेटलमेंट टर्नअराउंड टाइम में से है। अवीवा लाइफ इंश्योरेंस के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर श्री विनीत कपाही ने आभार जताते हुए कहा अवीवा में हम केवल पारंपरिक बीमा सुरक्षा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हम जीवन बीमा को नए रूप में परिभाषित कर रहे हैं जहां जहां हमारा ध्यान रोकथाम, स्वास्थ्य और समग्र कल्याण पर है।

सोने में आई सात हजार रुपए तक की गिरावट

नईदिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ दिनों से सोने के दाम में जारी तेजी फिलहाल थमती हुई नजर आ रहा रही है। बीते कुछ दिनों में सोना अपने रिकॉर्ड स्तर एक लाख रुपए से 7 हजार गिरकर 93 हजार प्रति 10 ग्राम तक आ गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 407 रुपए गिरकर 93,954 रुपए तक आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 94,361 रुपए थी। जबकि अब एक किलो चांदी की कीमत 94,125 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 रुपए का और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के आंकड़ों पर नजर डालें तो विदेशों में मजबूती के रुख के बीच आभूषण विक्रेताओं की ताजा लिवाली से शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने का भाव 1,080 रुपये बढ़कर 96,800 रुपये प्रति दस ग्राम हो गया। गुरुवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु 2,830 रुपए गिरकर 95,720 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 180 रुपए बढ़कर 96,350 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,930 रुपए घटकर 96,170 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया था। शुक्रवार को चांदी की कीमतों में भी तेजी दिखी। एक किलोग्राम चांदी का भाव शुक्रवार को 1600 रुपये चढ़कर 97,100 रुपये पर पहुंच गया। पिछले सत्र में चांदी 95,500 रुपये के भाव पर कारोबार करती दिखी। वैश्विक व्यापारिक तनाव में नरमी से सोने में राहत की उम्मीद

सर्राफा कारोबारियों का कहना है कि, अमेरिका-चीन समेत अन्य देशों के साथ व्यापार तनाव में नरमी आने से सोने की सेफ-हेवन डिमांड घटी है। वहीं, प्रॉफिट बुकिंग ने भी तेजी को रोका है। अमेरिका में ब्याज दरों को स्थिर रखने के संकेत के चलते सोने जैसे बिना ब्याज वाले एसेट्स की चमक थोड़ी नरम हुई है। आने वाले दिनों में सोने के भाव में ओर थोड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। क्योंकि 90,000 रुपए से 99,000 रुपए तक की तेजी सिर्फ एक बबल फेज थी, जिसमें डर की वजह से निवेशकों ने खरीदारी की। हालांकि चांदी का व्यापार करने वाले लोग ज्यादा उत्साहित नजर आ रहे है। सोने के अनुपात में चांदी का रेश्यो अभी ऐतिहासिक ऊंचाई पर है। जब भी यह 80 के पार जाता है, चांदी अक्सर सोने से बेहतर प्रदर्शन करती हैं सोलर पैनल पर अमेरिकी टैरिफ के कारण चांदी की मांग थोड़ी दब गई थी, लेकिन किसी भी ट्रेड डील से इसमें उछाल आ सकता है।

भोपाल। गर्मी बढ़ने के साथ ही शुरू किए गए प्याऊ अब लोगों की प्यास बुझा रहे है।

भोपाल। गर्मी में नदियों तालाबों में जल स्तर भले ही कम हो गया हो लेकिन मछली पकड़ने के शौकीन कम नहीं हुए है।

यूपीआई में क्रांतिकारी बदलाव, 16 जून से 15 सेकंड में पूरा होगा ट्रांजैक्शन

एनपीसीआई का नया सिस्टम लाएगा रफ्तार

नई दिल्ली। यूपीआई पेमेंट करने वाले यूज़र्स के लिए एक बड़ी खबर है। 16 जून 2025 से यूपीआई ट्रांजैक्शंस और भी तेज़ हो जाएंगे। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूपीआई से जुड़ी सेवाओं के रिस्पॉन्स टाइम को घटाने का ऐलान किया है, जिससे पेमेंट, ट्रांजैक्शन चेक करने या रिवर्स करने में पहले से आधा समय लगेगा।

यूपीआई आज भारत का सबसे लोकप्रिय डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म बन चुका है, और हक्ष्ट्ठ का उद्देश्य यूज़र्स को स्मूथ और तेज़ ट्रांजैक्शन अनुभव देना है। इसके लिए सभी बैंकों और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स को सिस्टम में आवश्यक अपडेट करने का निर्देश दिया गया है, ताकि नए समय सीमा का पालन हो सके। एनपीसीआई ने कहा, ये बदलाव ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने के लिए किए जा रहे हैं। सभी मेंबर्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके सिस्टम में आवश्यक बदलाव समय पर पूरे हों। एनपीसीआई ने यह भी स्पष्ट किया कि रिस्पॉन्स टाइम कम करने से तकनीकी समस्याएं नहीं बढ़नी चाहिए। 12 अप्रैल को कुछ तकनीकी दिक्कतों के चलते यूपीआई यूज़र्स को ट्रांजैक्शन में समस्या का सामना करना पड़ा था। एनपीसीआई ने तब स्वीकार किया था कि सिस्टम में आंशिक रुकावट आई थी, जिसे जल्दी ठीक कर लिया गया। अब जब नया बदलाव लागू होगा, तो उम्मीद की जा रही है कि डिजिटल पेमेंट और भी तेज़, आसान और भरोसेमंद हो जाएंगे।

जनसंवाद: रोटरी क्लब ने बीएसएसएस कॉलेज में छात्रों को सेवा क्षेत्र के लिए किया प्रेरित

भोपाल। रोटरी क्लब भोपाल हिल्स ने बीएसएसएस कॉलेज में एक प्रभावशाली जन-संवाद कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य रोटरी इंटरनेशनल के सात सेवा क्षेत्रों शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, मातृ एवं शिशु कल्याण, पर्यावरण, आर्थिक विकास एवं शांति स्थापना के प्रति युवाओं को जागरूक और प्रेरित करना था। इस अवसर पर, रोटेरियन स्मिता पगनीस, रोटेरियन कमल वाधवानी, रोटेरियन अविरल पवार और रोटेरियनएकता सिंघल, की विशेष उपस्थिति रही। छात्रों में रोटरी के कार्यों के प्रति उत्साह देखा गया और कई छात्रों ने भविष्य में रोटरी की गतिविधियों से जुड़ने की रुचि दिखाई। रोटरी क्लब भोपाल हिल्स समाज में परिवर्तन लाने के अपने प्रयासों में युवा शक्ति को सक्रिय रूप से जोड़ रहा है।

लक्ष्मीपति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में रोजगार मेले का हुआ आयोजन

भोपाल। लक्ष्मीपति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में रोजगार मेला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश सरकार और जिला रोजगार कार्यालय एवं शिक्षु प्रशिक्षण मंडल (पश्चिमी क्षेत्र), मुंबई का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम की अगवानी लक्ष्मीपति समूह के अध्यक्ष ओ. पी बंसल जी ने की और संस्था के ग्रुप डायरेक्टर डॉ. संजय बंसल, सलाहकार डॉ. रामेश्वर सुगंधी, प्राचार्य डॉ. लीना डेनियल, जिला रोजगार अधिकारी ए. बी. खान ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजक टीम के श्री नीलेश मिश्रा, डॉ. बबीता शर्मा और समस्त टीम ने मिलकर इस मेले को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। मेले में 40 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया और विभिन्न पदों के लिए नौकरी के अवसर प्रदान किए। 400 से अधिक छात्रों ने मेले में भाग लिया और कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। इस मेले का उद्देश्य युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना और उन्हें अपने करियर में सफलता प्राप्त करने में मदद करना था। आयोजकों का कहना है कि रोजगार मेला सफलतापूर्वक आयोजित किया गया और छात्रों को नौकरी के अवसर प्राप्त हुए।

गुदगुदाना, हंसाना और फिर डराना, ये है मनोरंजन का नया फार्मूला!

हमारे देश की विचित्रता में कई तरह के किस्से और कहानियां हैं। जिस तरह ईश्वर के प्रति आस्था है, उसी तरह समाज में जन्म, मृत्यु, पुनर्जन्म, आत्मा और भूत को लेकर भी लोगों में भरोसा काफी गहरा है। इसे लेकर कई तरह के किस्से-कहानियां प्रचलित हैं। जो लोग इन पर भरोसा नहीं करते, वे भी इन्हें एकदम नहीं नकारते। क्योंकि, हर परिवार में भूत, प्रेत, चुड़ैल और आत्माओं की मौजूदगी बताने वाला कोई न कोई सदस्य जरूर होता है। आज भी यह विषय विवाद में है कि क्या भूत-प्रेत होते हैं या फिर सिर्फ भ्रम है। इन्हीं भूतों और प्रेत आत्माओं का प्रभाव फिल्मों में भी आया। ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों के ज़माने से भूत, प्रेत और चुड़ैल के नए-नए किस्से दिखाए जाते रहे हैं। आज जब फिल्म निर्माण की तकनीकी आधुनिक हो गई, पर हमारी फ़िल्में उससे मुक्त नहीं हुई। फर्क इतना आया कि इसमें मनोरंजन का तड़का नए अंदाज में लगने लगा। भूतों की कहानी को कभी कॉमेडी की तरह फिल्माया जाता, कभी बदले की भावना से जोड़ा जाता! कुछ कहानियों में इसमें एक जन्म से दूसरे जन्म तक प्रेम कहानी को गूंथा गया। ऐसी कहानियां कभी पुरानी नहीं पड़ी।

फिल्मों में सबसे पहले इस तरह का कथानक 1949 में कमाल अमरोही 'महल' से लाए थे। अशोक कुमार और मधुबाला की इस फिल्म में नायिका भटकती आत्मा थी। लेकिन, क्लाइमेक्स में पता चलता है कि वो कोई आत्मा नहीं, वास्तव में महिला ही थी। इसके बाद 1962 में आई 'बीस साल बाद' 1964 में आई 'वो कौन थी' और 1965 की 'भूत बंगला' में भी ऐसी ही डरावनी कहानियां थीं। खास बात यह कि ऐसी अधिकांश फिल्मों में भूत या भटकती आत्मा को असफल प्यार या बदले की भावना से जोड़ा जाता रहा। फिल्मों में भूतों की भूमिका दो तरह से दिखाई जाती रही है। एक बदला लेने वाला और दूसरा मदद करने वाले भूत! 80 और 90 के दशक में 'रामसे ब्रदर्स' ने जो फ़िल्में बनाई, वो डरावनी शक्ल और खून में सने चेहरों वाले खूनी भूतों पर केंद्रित रही। बाद में इन भूतों का अंत त्रिशूल या क्रॉस से दिखाया गया। इस बीच मल्टीस्टारर फिल्म 'जॉनी दुश्मन' आई, जिसमें संजीव कुमार ऐसे भूत बने थे, जो दुल्हन का लाल जोड़ा देखकर खतरनाक भूत में बदल जाते हैं। 2007 में प्रियदर्शन ने भी 'भूल भुलैया' में आत्मा को दिखाया। यह विषय इतना पसंद किया गया कि इसके दो सीक्वल बन गए।

फिल्मों के भूत सबका नुकसान ही करें, यह जरूरी नहीं। फ़िल्मी कथानकों में ऐसे भी भूत आए, जो सबकी मदद करते हैं। भूतनाथ, भूतनाथ रिटर्न और 'अरमान' में अमिताभ बच्चन ने ऐसे ही अच्छे भूत का किरदार निभाया, जो मददगार होते हैं। 'हैल्लो ब्रदर' में भूत बने सलमान खान अरबाज़ खान के शरीर में आकर मदद करते थे। 'चमत्कार' में नसीरुद्दीन शाह बदला लेने के लिए शाहरुख़ खान की मदद करता है। 'भूत अंकल' में जैकी श्रॉफ और 'वाह लाइफ हो तो ऐसी' में शाहिद कपूर को यमराज बने संजय दत्त की मदद से भला करते दिखाया गया। 'टार्ज़न द वंडर कार' में भी कुछ ऐसी ही कहानी थी। इंग्लिश फिल्म 'घोस्ट' से प्रेरित होकर 'प्यार का साया' और 'माँ' बनाई गई थी। दोनों फ़िल्में ऐसे भूतों की थी, जो बुरे नहीं थे।

विक्रम भट्ट जैसे बड़े फिल्मकार भी ऐसी फिल्म बनाने के मोह से बच नहीं सके! उन्होंने 'राज़' की सफलता के बाद तो इसके कई सीक्वल बना डाले। भट्ट ने 1920, 1920-ईविल रिटर्न, शापित और हॉन्टेड में आत्माओं के दीदार करवाए! 2003 में अनुराग बासु जैसे निर्देशक ने भी 'साया' जैसी फिल्म बनाई। रामगोपाल वर्मा जैसे प्रयोगधर्मी निर्देशक ने तो 'भूत' टाइटल से ही फिल्म बना दी। इसके बाद फूँक, फूँक-2, डरना मना है, डरना ज़रूरी है, वास्तुशास्त्र, भूत रिटर्न में भी हाथ आजमाए! अनुष्का शर्मा जैसी नए जमाने की एक्ट्रेस ने 'फिल्लौरी' में न सिर्फ काम किया। बल्कि, फिल्म की निर्माता भी वे खुद थी। अनुष्का ने खुद ही भूत का किरदार निभाया! फिल्म की कहानी एक मांगलिक लड़के की थी, जिसकी शादी होने वाली रहती है। उसकी होने वाली पत्नी को मंगल दोष से बचाने के लिए पहले उसकी शादी उस पेड़ से कर दी जाती है, जिस पर अनुष्का भूत बनकर रहती है। पेड़ पर रहने वाली भूतनी लड़के के पीछे लग जाती है और हास्यास्पद रोमांटिक हालात पैदा हो जाते हैं। भूतनी बनी अनुष्का 'फिल्लौरी' में दर्शकों को लुभाती भी है और डराती भी! क्योंकि, अनुष्का का भूत किसी को नुकसान नहीं पहुंचाता। 1991 में आई माधुरी दीक्षित और जैकी श्रॉफ की फिल्म '100 डेज़'.आई थी। फिल्म का सस्पेंस लोगों को पसंद आया। पूरी फिल्म में सस्पेंस बने होने से फिल्म ने क्लाइमैक्स तक दर्शकों को बांधकर रखा। यही वजह थी कि फिल्म हिट रही थी। 2008 में आई फ़िल्म 'फूंक' डरावनी थी। इस फिल्म के बारे में निर्देशक रामगोपाल वर्मा ने कहा था कि अगर कोई बिना डरे अकेले इस फ़िल्म को थियेटर में देख लेगा, तो वे उसे 5 लाख का इनाम देंगे। रामगोपाल वर्मा ने फिल्म इंडस्ट्री को कई चर्चित हॉरर फिल्म दी। इनमें एक फिल्म 'रात' भी है। इस फिल्म में मुख्य किरदार रेवती थी। 1992 में आई इस फिल्म में डर ही डर अंत तक था। इसकी गिनती रामगोपाल वर्मा की बेस्ट फिल्मों में होती है। 'डरना मना है' भी रामगोपाल वर्मा की ही फिल्म थी। इसमें 6 कहानियों को एक फिल्म में पिरोया गया था। सभी कहानियों ने दर्शकों को डराया।

सुष्मिता सेन और जेडी चक्रवर्ती अभिनीत फिल्म वास्तु शास्त्र (2004) आई। रामगोपाल वर्मा की इस फिल्म में एक पेड़ पर रहने वाली बुरी आत्माएं जो पास के घर के लोगों को परेशान करती हैं। किरदार उनसे कैसे सामना करते हैं, ये दिखाया गया। विक्रम भट्ट और अरुण रंगाचारी ने 2011 में एक फिल्म 'हॉन्टेड 3डी' बनाई। ये बहुत ही भयानक और डरावनी फिल्म थी। इसमें 3डी टेक्निक का भी उपयोग किया था। यही वजह थी कि दर्शकों ने इसे बहुत पसंद किया। भूत-प्रेत का भयानक रूप और वे इंसान को कैसे टॉर्चर करते है जिसमें वे प्रवेश करते हैं। फिल्म '1920' में यह बखूबी दिखाया। 2008 में आई विक्रम भट्ट की ये फिल्म बहुत डरावनी थी, जिसे दर्शकों ने पसंद किया। इसकी सीक्वल '1920 रिटर्न' भी आई थी।

देखा गया है कि ऐसी ज्यादातर फिल्मों के कथानक में किसी पौराणिक कहानी का जिक्र करके भूत या प्रेत को जोड़ा जाता है। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म 'स्त्री' और उसके बाद आई 'स्त्री-2' भी पौराणिक कथाओं पर आधारित है। एक गांव में चुडैल रातों में घूमती हैं और किसी भी मर्द को अकेला पाकर उठा ले जाती है। लोग अपने घर के बाहर 'नाले बा' लिख देते थे, जिसका मतलब होता है 'कल आना।' इस फिल्म का सीक्वल स्त्री-2 नाम से बना और 2024 में आई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई का रिकॉर्ड ही बना दिया। इसी तरह अनुष्का शर्मा की फिल्म 'परी' भी काफी डरावनी फिल्म है। इसमें उन्होंने खुद एक 'इरफ़ित' का किरदार निभाया, जिसका नाम रुख़साना होता है। ये फिल्म भी पौराणिक कथाओं के आधार पर बनाई थी। इरफित एक काफी ताकतवर शैतान होता है, जो खंडहरों और मंदिरों के आसपास घूमता दिखाई देता है, वो इंसानों के आसपास रहते हैं और उनसे शादी भी कर लेते हैं, लेकिन इनकी फितरत घातक और निर्दयी किस्म की होती है।

बिपाशा बसु और डीनो मोरिया की फिल्म 'राज' भी अपने दौर की डरावनी फिल्मों में से एक है। आज के समय भी इसकी गिनती बेस्ट हॉरर फिल्मों में की जाती है। फ़िल्म में एक लड़की की भूतिया कहानी है, जो मरने के बाद प्रेत-आत्मा बन जाती है। 'प्रेत-आत्मा' का मतलब एक मृत आदमी की आत्मा होती है, जो तब एक भूत या शैतान का रूप लेती है। जब उसकी कोई इच्छा अधूरी रह जाती है या उसको किसी से बदला लेना होता है। ये प्रेत आत्मा इसलिए बनती है, क्योंकि उनकी डेड बॉडी का अंतिम संस्कार नहीं किया गया हो। अनुष्का शर्मा के प्रोडक्शन हाउस में बनी ये फ़िल्म 'बुलबुल' को दर्शकों ने खूब पसंद किया। ये बंगाल के एक गांव की कहानी है, जो 19वीं सदी में बंगाल प्रेज़िडेंसी के बैकग्राउंड पर बनी है। ये फिल्म चुड़ैलों पर एक नई कहानी कहती है। इस फिल्म को भी पौराणिक कथाओं के आधार पर बनाया गया। चुड़ैल एक एक पौराणिक अलौकिक औरत होती है। इसे जीवित वस्तु का भूत भी कहा जाता है। फ़िल्म में तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी और राहुल बोस हैं। इमरान हाशमी की फिल्म 'एक थी डायन' ने भी दर्शकों को खूब डराया। इस फिल्म की कहानी एक जादूगर पर आधारित है, जो एक डायन से प्रेत बाधित होता है। इस फिल्म की कहानी भी पौराणिक कथाओं के आधार पर थी। डायन को चुड़ैल के तौर पर भी जाना जाता है, जिसको संस्कृत में 'दाकिनी' कहा जाता है। मध्यकालीन हिंदू ग्रंथों जैसे 'भगवत गीता' में भी दाकिनी का उल्लेख मिलता है, जो एक दुष्ट महिला होती है।

(फ़िल्म समीक्षक और मीडियावाला के संपादक हेमंत पाल का कॉलम)

अमर शहीद कॉर्पोरल विक्की के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम कल

छिंदवाड़ा। अमर शहीद कॉर्पोरल विक्की पहाड़े फाउंडेशन छिंदवाड़ा के तत्वावधान में 4 मई रविवार को स्थान सर्किट हाउस तिराहा व्ही.आई.पी. रोड छिंदवाड़ा में शाम 7 बजे से एक शाम शहीदो के नाम से देशभक्ति गीतों की संध्या पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम किया जावेगा, साथ ही मशाल-तिरंगा पद यात्रा शाम 5 बजे से मेजर अमित ठेंगे चौक से इंदिरा तिराहा, डॉ. बीआर अम्बेडकर तिराह, परासिया रोड होते हुये, सर्किट हाउस पहुँचेगी। आयोजक समिति अमर शहीद कार्पोरल विक्की पहाड़े फाउण्डेशन छिंदवाड़ा ने समस्त नगरवासियों से अपील है कि इस अवसर पर देश की लिये अपनी जान न्यौछाबर करने वाले छिंदवाड़ा जिले के वीर सपूत अमर शहीद कॉर्पोरल विक्की पहाड़े के शहादत दिवस पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित शहीद को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करें।

खेलों के विकास के लिए हर संभव प्रयास : सांसद

छिंदवाड़ा। जिला ओलंपिक स्टेडियम अंतर्गत विभिन्न खेल मैदानो का निरीक्षण करते हुए सांसद विवेक बंटी साहू, कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ,डीईओ जीएस बघेल,नगर निगम आयुक्त सी पी राय ने खेल सुविधाओं और व्यवस्थाओं को चुस्त दुरुस्त करते हुए खेलों के विकास हेतु आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किया इस दौरान उन्होंने ओलंपिक स्टेडियम बैडमिंटन हॉल का निरीक्षण करते हुए उपस्थित खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें प्रोत्साहित किया साथ ही उन्होंने शीघ्र ही खेल के अनुरूप उपयुक्त उच्च स्तरीय बैडमिंटन मेट उपलब्ध करने की बात कही इस अवसर पर जिला बैडमिंटन संघ पदाधिकारी व प्रशिक्षक जावेद खान राकेश चौरसिया व खिलाड़ियों ने सांसद एवं कलेक्टर महोदय द्वारा खेलों के विकास के लिए जाए किए जा रहे प्रयासों हेतु आभार व्यक्त किया। 3 मई शाम 5 बजे सिलेक्शन ट्रायल्स की अंतिम प्रक्रिया संपन्न होने के उपरांत चयनित एवं उत्कृष्ट खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर खिलाड़ियों के उत्साह वर्धन जनप्रतिनिधि व बैडमिंटन संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

श्री बगलामुखी प्रगटोत्सव पर्व पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आज से

छिंदवाड़ा। वार्ड नंबर 25, बरारीपुरा स्थित प्राचीन

स्वयंभू सिद्ध मंदिर, श्री बगलामुखी माता मंदिर बरारीपुर छिंदवाड़ा में 3 से 5 मई तक श्री बगलामुखी प्रगटोत्सव पर्व का त्रिदिवसीय आयोजन किया जा रहा है । पत्रकारों से चर्चा करते हुए जानकारी देते समिति के विजय इंगोले ने बताया कि इस त्रिदिवसीय कार्यक्रम में प्रथम दिवस आज 3 मई को रात्रि 8 बजे से श्री श्री भगवती देवी जागरण ग्रुप द्वारा देवी जागरण, 4 मई को रात्रि 8.30 बजे शिव तांडव ग्रुप, सोनाखार (डमरू दल) की मनमोहन प्रस्तुति, 5 मई को प्रातः 6 बजे से मॉ भगवती पीताम्बरा का बगलामुखी मंत्रोच्चार द्वारा महाभिषेक, दोपहर 12 बजे बगलामुखी विधि द्वारा हवन, शाम 4 बजे 56 भोग महाप्रसाद एवं शाम 6 महाआरती एवं रात्रि 07 बजे से विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है।

सिविल लाइन से लगे खेत में लगी आग, न्यायाधीश और अधिकारियों के घर तक पहुंची

अमरवाड़ा। नगर के वार्ड क्रमांक एक सिविल लाइन क्षेत्र से लगे खेत में किसान के द्वारा नरवाई जलाने के कारण शुक्रवार की सुबह 10 बजे आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली की सिविल लाइन में निवासरत माननीय न्यायाधीश और शासकीय अधिकारी कर्मचारी के निवास तक आग पहुंच गई। बमुश्किल रहवासियों के द्वारा पानी डालकर दौड़ भाग कर आग पर काबू पाया गया। बाबजूद कुछ कर्मचारी और अधिकारियों के घर में पीछे कपड़ों में आग लग गई। स्थानीय क्षेत्र वासियों ने बताया कि आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड वाहन को दी गई परंतु ना ही कोई फायर ब्रिगेड वहां पहुंचा ना हीं टैंकर पहुंचा।

निशुल्क ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

छिन्दवाड़ा। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी छिंदवाड़ा ने बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश छात्र-छात्राओं के सदुपयोग के लिये जिला व विकासखंड स्तर पर ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 1 से 31 मई तक प्रतिदिन प्रातः 6 से 8 बजे तक एवं शाम 5 से 7 बजे तक जिला मुख्यालय व विकासखंड मुख्यालय में किया जाना है, जिला मुख्यालय छिन्दवाड़ा में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर पुलिस लाईन ग्राउण्ड में बास्केटबॉल श्री आशीष चौहान कोच, बॉलीवॉल श्री जमील खान, ताइक्वाडो श्री कमलेश पवार, कराते सुश्री कविता थापा, एथलेटिक्स सुमंत लाखरा एवं ओलपिंक ग्राउण्ड में बैडमिन्टन जावेद खान, फुटबाल विक्रांत यादव, कबड्डी प्रीति सिंह मार्को द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर के शुभारंभ पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता, एसडीएम चौरई प्रभात मिश्रा मौजूद रहे।

जन्मदिन पर जामसांवली पहुँची उमा भारती

छिंदवाड़ा/सौसर। मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व केन्द्रीय मंत्री साध्वी उमा भारती ने आज उनके जन्मदिन के उपलक्ष्य में चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर जामसांवली में पहुँचकर श्री मूर्ति के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। साथ में पूर्व विधायक नाना मोहोड, पांडुरना भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप मोहोड़, भाजपा प्रेस प्रवक्ता अजय धवले सहित अधिकारी मौजूद थे।

पर्यटन के नक्शे पर छिंदवाड़ा को उभारना हमारी प्राथमिकता: कलेक्टर

अतिथि सत्कार की ट्रेनिंग लेने वाले होम स्टे हितग्राहियों को बांटे गए प्रमाण पत्र

छिंदवाड़ा। पर्यटन की असीम संभावनाओं से भरे छिंदवाड़ा को देश-प्रदेश में पर्यटन के नक्शे पर उभारना हमारी प्राथमिकमाओं में शामिल है, इसके लिए मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के साथ मिलकर अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। जिले के होम स्टे प्रदेश के लिए मील का पत्थर हैं, यहां आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिले, वे सुरक्षित तरीके से घूम सकें। पर्यटकों को स्वादिष्ट व पौष्टिक भोजन मिले। पर्यटन से रोजगार के अवसर बनें, इस पर लक्ष्य बनाकर कार्य किया जा रहा है। यह विचार कलेक्टर श्री शीलेंद्र सिंह ने कलेक्ट्रेट के मिनी सभागार में आयोजित ग्रेजुएट सैरेमनी में व्यक्त किए। अतिथि सत्कार की ट्रेनिंग लेने वाले हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र देकर कलेक्टर श्री सिंह ने सभी का हौसाला बढ़ाया। इस अवसर पर जिला पुरातत्व, पर्यटन व संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी बलराम राजपूत, पर्यटक प्रबंधक गिरीश लालवानी, टाटा स्ट्राइव से सेंटर मैनेजर अरविंद कुमार द्विवेदी, मास्टर ट्रेनर आकाश भारद्वाज व होम स्टे हितग्राही उपस्थित थे।

टाटा स्ट्राइव कौशल विकास केंद्र से छिंदवाड़ा के पर्यटन ग्राम सावरवानी, चोपना, चिमटीपुर, बीजाढाना, काजरा, धूसावानी, धगडिया के 129 हितग्राहियों को अतिथि सत्कार की ट्रेनिंग दी गई थी। इस निःशुल्क ट्रेनिंग के बाद शुक्रवार को कलेक्टर श्री शीलेंद्र सिंह के हाथों हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र सौंपे गए। इस मौके पर कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि होम स्टे खुल जाने से ग्रामीण अंचल में पर्यटन बढ़ रहा है और कई परिवारों को घर बैठे रोजगार मिला है और गांवों में आर्थिक गतिविधियां सुदृढ़ हुई हैं। उन्होंने काजरा व चिमटीपुर के तैयार हो चुके होम स्टे जल्द खोलने के निर्देश दिए। पर्यटन विकास को अपनी प्राथमिकता बताते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड व जिला प्रशासन पर्यटन स्थलों पर सभी सुविधाएं देने, सफाई सहित आसान मार्ग बनाने व उनके विकास के लिए कई स्तर पर कार्य कर रहा है। उन्होंने होम स्टे के लिए टूर पैकेज बनाने, रेल्वे स्टेशन-बस स्टॉप व आसपास के शहरों में होम स्टे के प्रचार के लिए होर्डिंग्स लगवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी होम संचालकों से गांवों में आ रही समस्याओं को जाना और तत्काल उन्हें हल करने के निर्देश संबंधित आधिकारियों को दिए। पर्यटन विकास के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। इस कार्यक्रम में जिला पुरातत्व, पर्यटन व संस्कृति परिषद के अशासकीय सदस्य नागेंद्र गढ़ेवाल, इंडियन ग्रामीण सर्विसेज से सुश्री रीना साहू, परार्थ समिति से मंजरी चांदे, आकाश सरेयाम, सनोद नागवंशी व अन्य होम स्टे संचालक उपस्थित थे।

परीक्षा के आयोजन में कोई भी कोताही नहीं करेंगे बर्दाश्तः कलेक्टर

नीटः परीक्षा को लेकर बैठक, 11 केंद्रों पर 4646 विद्यार्थी होंगे शामिल ,मोबाइल प्रतिबंधित

छिन्दवाड़ा। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट (यूजी)-2025 परीक्षा आगामी 04 मई (रविवार) को छिन्दवाड़ा जिले के 11 परीक्षा केन्द्रों पर दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में कुल 4646 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा की तैयारियों को लेकर आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें कलेक्टर श्री शीलेंद्र सिंह के साथ पुलिस अधीक्षक श्री अजय पांडे भी मौजूद थे। बैठक में एएसपी श्री आयुष गुप्ता, परीक्षा के लिए जिला प्रशासन द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी, सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, परीक्षा केंद्र अधीक्षक, परीक्षा केंद्र उप अधीक्षक, ऑब्जर्वर, इनविजिलेटर्स तथा पुलिस का अमला उपस्थित था। कलेक्टर ने ड्यूटी में लगाए गए सभी अधिकारियों कर्मचारियों को उनके दायित्वों से अवगत कराया और उनका अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि नीट की परीक्षा को लेकर परीक्षा एजेंसी और शासन - प्रशासन बहुत गंभीर है, इसमें किसी तरह की कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। सभी संबंधित कल परीक्षा केंद्रों में पहुंच कर अपने कार्य स्थल देख लें, सभी तैयारियां सुनिश्चित करा लें। पुलिस अधीक्षक श्री पांडे ने पुलिस के सभी अधिकारियों को एक दिन पूर्व पूरी तैयारी के साथ रिहर्सल करने के निर्देश दिए। साथ ही बायोमैट्रिक परीक्षण के लिए परीक्षा केंद्रों में इंटरनेट की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने की ओर ध्यान आकृष्ट कराया।

परीक्षार्थियों से अपील- प्रशासन-पुलिस द्वारा जिले के सभी परीक्षार्थियों से अपील की गई है कि एडमिट कार्ड डाउनलोड कर उसमें लिखे निर्देश अच्छी तरह से पढ़ लें और परीक्षा केंद्र में किसी भी तरह की असुविधा से बचने के लिए उनका अक्षरशः पालन सुनिश्चित करें।

कलेक्टर की अध्यक्षता में पत्रकारों की बैठक...

खबरों के माध्यम से संवेदनशील मुद्दे संज्ञान में लाने के लिए कलेक्टर ने माना मीडिया का आभार

पहलगाम हमले के मृतकों को दी गई श्रद्धांजलि

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में पत्रकारों की त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का उद्देश्य जिले के पत्रकारों की दैनिक कठिनाइयों का समाधान करना और उनकी अन्य समस्याएं सुनना था। बैठक में पत्रकारों द्वारा जिले से जुड़े अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक में उप संचालक जनसंपर्क सुश्री नीलू सोनी, सहायक जनसंपर्क अधिकारी सुश्री गरिमा शर्मा, संचार सहायक गीतेश शरणागत और बड़ी संख्या में जिले के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार उपस्थित थे।

इस अवसर पर कलेक्टर सिंह ने जिले के संवेदनशील मुद्दे अपनी खबरों के माध्यम से संज्ञान में लाने के लिए मीडिया का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आपके कारण कई मुद्दों पर समय पर कार्यवाही की जा सकी और स्थिति में सुधार किया जा सका। उन्होंने कहा कि मीडिया के माध्यम से संज्ञान में आने पर जिला अस्पताल में अभियान चलाकर 65000 से अधिक जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनाए गए और पुरानी पेंडेंसी को खत्म किया गया। जिससे अब आमजन को परेशान नहीं होना पड़ रहा है। आगे भी आमजन से जुड़ी महत्वपूर्ण खबरों पर पूरा संज्ञान लिया जाएगा। बैठक के दौरान पत्रकारों द्वारा कवरेज के दौरान आने वाली विभिन्न कठिनाइयों और अपनी व्यक्तिगत समस्याओं से अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि नगरीय निकायों में होने वाले लोकार्पण और भूमिपूजन जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की सूचना नहीं मिल पाती, जिससे समाचार कवरेज में व्यवधान उत्पन्न होता है। इसी तरह जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर निगम एवं विभिन्न विभागों द्वारा जिला स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी भी विलंब से प्राप्त होती है। जिससे मौके पर पहुंचकर कवरेज नहीं हो पाता। निर्माण विभागों में पहुंचने पर साप्ताहिक अखबार के पत्रकारों को पहचान का संकट उत्पन्न हो जाता है, इसके लिए सभी पत्रकारों की सूची भेजने की बात कही गई। साथ ही जिले में अल्प प्रवास में पहुंचे राज्य शासन के एवं केंद्रीय मंत्री गणों के टूर प्रोग्राम की जानकारी प्रोटोकॉल के माध्यम से पूर्व से ही उपलब्ध कराने भी बात रखी गई। बीते दिनों जिले के प्रभारी मंत्री मंत्री की उपस्थिति में शासकीय पी.जी.कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित करने के बाद भी पी.आई.यू. के प्रभारी अधिकारी द्वारा पत्रकारों की बैठक के लिए व्यवस्था नहीं बनाई गई थी, जिससे कवरेज में असुविधा का सामना करना पड़ा। अंत में, कलेक्टर शीलेंद्र सिंह, उप संचालक जनसंपर्क सुश्री नीलू सोनी एवं उपस्थित पत्रकारों द्वारा पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को दो मिनट का मौन रखकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक के समापन पर विभिन्न पत्रकार संगठन द्वारा कलेक्टर सिंह का पुष्पगुच्छ से अभिवादन भी किया गया।

कन्या शिक्षा परिसर छिंदवाड़ा में सीएसीटी का 92वां कैंप

छिन्दवाड़ा। कॉम्बीनेड एनुअल ट्रेनिंग कैंप (सीएसीटी) का 92वां कैंप कन्या शिक्षा परिसर छिंदवाड़ा में प्रारंभ हो चुका है । 24 एमपी बटालियन एनसीसी छिंदवाड़ा के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल थॉमस ओमेन एवं एडम ऑफिसर कर्नल विजय कुमार के नेतृत्व में लगभग 600 एनसीसी कैडेट 10 दिवसीय कॉम्बीनेड एनुअल ट्रेनिंग कैंप (सीएसीटी) में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेंगे, जिसमें राइफल शूटिंग, 22 राइफल की जानकारी, ड्रिल, मैप रीडिंग, व्यक्तित्व विकास, एफसी, बीसी आदि की जानकारी यहां एनोस एवं पी.आई. स्टाफ द्वारा कैडेट को दी जाएगी। आज प्रातः से ही सर्वप्रथम रजिस्ट्रेशन का कार्य किया गया, जिसमें बायोमेट्रिक सिस्टम के द्वारा कैडेट की उपस्थिति एवं अन्य जानकारियां ली गई। 03 मई 2025 से 24 एमपी बटालियन छिंदवाड़ा के कमांडिंग ऑफिसर के ओपनिंग एड्रेस के बाद कैंप विधिवत प्रारंभ हो जाएगा।

6 मई को आएंगे नकुल-कमलनाथ

संविधान बचाओ रैली में होंगे सम्मिलित

छिन्दवाड़ा। जन-जन के लोकप्रिय नेता व मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ का छिन्दवाड़ा आगमन होने जा रहा है। आगमन पश्चात नेताद्वय विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे साथ ही छिन्दवाड़ा व पांढुर्ना जिला कांग्रेस पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। तीन दिवसीय दौरे पर छिन्दवाड़ा आगमन उपरांत नकुलनाथ संविधान बचाओ रैली में सम्मिलित होने के साथ ही हर्रई के धनौरा में क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी की आयोजित बैठक में उपस्थित होंगे साथ ही अन्य कार्यक्रमों में भी सम्मिलित होंगे।पूर्व मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार दिनांक 6 मई को दोपहर 12 बजे नेताद्वय का विशेष वायुयान से ईमलीखेड़ा हवाई पट्टी पर आगमन होगा। आगमन उपरांत जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे।

7 मई दिन बुधवार को कमलनाथ एवं नकुलनाथ का हेलीकाप्टर द्वारा प्रातः 10.30 बजे परासिया आगमन होगा, जहां नेताद्वय के हस्ते अस्पताल का उद्घाटन होगा। तदोपरांत माननीय नकुलनाथ जी दोपहर 12 बजे हर्रई के धनौरा पहुंचकर क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी की आयोजित बैठक में सम्मिलित होंगे। दोपहर 2 बजे श्री नाथ का शिकारपुर आगमन होगा। माननीय कमलनाथ जी एवं माननीय नकुलनाथ जी अपराह्न 4 बजे हेलीकाप्टर द्वारा मोहखेड़ ब्लॉक के ग्राम देवगढ़ पहुंचेंगे, जहां वे कांग्रेस नेता बाजीलाल कुमरे के सुपुत्र के विवाह कार्यकम में सम्मिलित होंगे, तदोपरांत सांय 6 बजे नेताद्वय का शिकारपुर आगमन होगा। 8 मई दिन गुरुवार को अपने पूर्व निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार माननीय कमलनाथ एवं नकुलनाथ प्रातः 11.30 बजे संविधान बचाओ रैली में सम्मिलित होंगे।

जल ही जीवन है, इसे व्यर्थ न बहाएं

जनता को पानी भी पिलाएं और पानी भी बचाएं ये आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है:इंजीनियर

आष्टा। जल ही जीवन है, जितने पानी की आवश्यकता हो उतना ही हम सब उपयोग करे,व्यर्थ में पानी को बर्बाद ना होने दे,क्योकि आज बूंद बूंद पानी का महत्व है। भीषण गर्मी की दस्तक शुरू हो गई है,ग्रामीण क्षेत्रो में जमीनी जल स्तर धीरे धीरे नीचे उतरता जा रहा है । आने वाले दिनों में गर्मी का पारा ओर बढेगा ऐसे में किसी को पानी की समस्या का सामना ना करना पड़े उसको ध्यान में रखते हुए मप्र सरकार द्वारा शुरू किये गये जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आज विधायक श्री गोपालसिंह इंजीनियर ने विधायक निधि से आष्टा क्षेत्र की 6 पंचायतो को 6 पानी के टैंकर उपलब्ध कराए है । विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने आष्टा विधानसभा क्षेत्र की 6 ग्राम पंचायत निपानिया, टांडा, कचनारिया, सेंधोखेड़ी, भीलखेड़ी सड़क, अरोलिया आष्टा को विधायक कार्यालय पर एक सादे समारोह में सभी पंचायतो के सरपंचों को पेयजल हेतु टैंकर प्रदान किये । विधायक ने सभी टैंकरों को हरी झंडी दिखा कर पंचायतो के लिये रवाना किया । इस अवसर पर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने कहा की इन टैंकरों के माध्यम से ग्रामवासियों को सुलभता से गमी में जल मिल सकेगा एवं गर्मी के मौसम में आने वाली पानी की समस्या भी दूर होगी। विधायक ने सभी सरपंचों से आव्हान किया कि वे सभी अपनी अपनी पंचायतो में देश के प्रधानमंत्री जी का यह संदेश भी पहुचाये की हम किस तरह पानी को बचा सकते है जरूर बचाये एवं इस बार आने वाली बारिश में गांव का पानी गांव में ओर खेत का पानी खेत मे रहे को लेकर भी अभियान चलाना चाहिये ताकि जमीनी जल स्तर बढे । टैंकर वितरण के दौरान सभी ग्राम पंचायतों के सरपंच सहित सचिव,ग्रामीणजन,भाजपा के कार्यकर्ता आदि उपस्तिथ थे ।

सीटू यूनियन ने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया

परासिया। पेंच कन्हान की धरती कोयलांचल क्षेत्र में पिछले पचास वर्षों से लगातार लाल झंडा यूनियन एक मई अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस का आयोजन करते हुए मजदूर दिवस मनाता आ रहा है। परंपरागत मजदूरों का एक मात्र दुनिया में मनाया जाने वाला पहला ऐसा सबसे बड़ा त्योहार है, जिसको सभी देशों में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाता हैं। लाल झंडा कोल माइंस मजदूर यूनियन सीटू पेंच कन्हान क्षेत्र ने इस कार्यक्रम को परासिया स्टॉफ क्लब में दोपहर दो बजे से आयोजित कर धूमधाम से मनाया।जिसकी शुरुआत झंडा वंदन और शहीद बेदी पर वीर शहीद मज़दूरों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। आमसभा में सभी वक्ताओं ने मई दिवस के इतिहास पर प्रकाश डाला जिसमें आठ घंटे काम आठ घंटे विश्राम,आठ घंटे मनोरंजन के अधिकार दिलाने वाले मजदूर शहीदों को याद करते हुए उनकी कुर्बानियों से आज दुनिया के मजदूर सुख और सम्मान से जी रहे हैं। उनके संघर्षों से दुनिया रौशन है, देश दुनिया की परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीटू यूनियन के राष्ट्रीय सचिव और मध्यप्रदेश महासचिव कामरेड प्रमोद प्रधान ने उपस्थित सभी लोगों को संबोधित किया, साथ ही सीटू वेकोलि अध्यक्ष जगदीश डिगरसे, पाथाखेड़ा महासचिव गणेश गुज़रे, के अलावा पेंच कन्हान से अमरनाथ सिंह, अशोक भारती, संतोष साहू, विकास सातनकर, दीलीप भारती ने भी उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन मीर हसन ने किया, अन्य सदस्यों और पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम में अपनी बात रखी, कार्यक्रम में नेहरिया से लेकर टानसी तक सभी केंद्रीय पदाधिकारियों और शाखाओं के सभी अध्यक्ष सचिव सहित पदाधिकारी उपस्थित मौजूद रहे,भारी संख्या बल के साथ महिलाओं सहित कामगारों द्वारा सीटू का लाल झंडा लेकर रैली निकाली जिसमें जोरदार नारेबाजी करते हुए गुरु गोविंद सिंह चौराहे तक पैदल मार्च करते हुए वापस सभा स्थल पर पहुंचे तत् पश्चात् कार्यक्रम संपन्न हुआ।

किन्नर समाज में भी धर्म की दीवार, एमपी में हिंदू मुस्लिम किन्नरों के बीच तकरार, लगे ये आरोप

जबलपुर। मप्र के जबलपुर में किन्नर समाज, जो अब तक अपने पारंपरिक तौर-तरीकों, सामूहिकता और सामाजिक सौहार्द्र के लिए जाना जाता था, अब अंदरूनी धार्मिक टकराव का अखाड़ा बनता दिख रहा है। हाल ही में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किन्नर समाज की एक प्रमुख प्रतिनिधि साध्वी मनीषा दास ने चौंकाने वाले आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ मुस्लिम किन्नर संगठित तरीके से न केवल हिंदू किन्नरों को प्रताड़ित कर रहे हैं, बल्कि हिंदू घरों में धार्मिक आयोजनों के दौरान भय दिखाकर अवैध रूप से भारी भरकम रकम वसूल रहे हैं। यह घटना किन्नर समाज में एक बड़े धार्मिक और सामाजिक संकट की ओर इशारा कर रही है।

दुआ और बहुआ का डर दिखाकर जबरन वसूली

साध्वी मनीषा दास के मुताबिक, मुस्लिम धर्म अपना चुकीं कुछ किन्नर, जिनमें प्रमुख रूप से दिया खान और मुस्कान कुरैशी के नाम शामिल हैं। ये अपनी टोली बनाकर हिंदू बहुल इलाकों में घर-घर जाती हैं। वे नवविवाह, बच्चे के जन्म या अन्य मांगलिक अवसरों पर पहुंचती हैं और पारंपरिक बधाई देने की आड़ में लोगों को दुआ न देने या बहुआ देने की धमकी देकर मानसिक रूप से आतंकित करती हैं। इस डर का लाभ उठाकर वे घरों से 21 हजार से 51 हजार रुपये तक की रकम वसूलती हैं। साध्वी का दावा है कि यह न केवल किन्नर समाज की छवि को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि सीधे-सीधे जबरन वसूली की श्रेणी में आता है।

धर्मांतरण के लिए हिंदू किन्नरों पर दबाव बनाने का भी आरोपः सबसे गंभीर बात यह रही कि मनीषा दास ने धर्मांतरण को लेकर भी गंभीर चिंता जताई है। उनका आरोप है कि यह वसूली महज पैसों की लालच तक सीमित नहीं है, बल्कि उससे कहीं आगे जाकर इसे एक सुनियोजित धर्मांतरण अभियान का हिस्सा बनाया जा रहा है। उनका दावा है कि मुस्लिम किन्नर लगातार हिंदू किन्नरों को मानसिक दबाव में डालकर उन्हें इस्लाम अपनाने के लिए विवश कर रहे हैं।

आतंकवाद के खिलाफ मुस्लिम समाज की एकजुटता नूरी जामा मस्जिद के नेतृत्व में निकाली रैली

सांध्य प्रकाश बैतूल। आमला कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध मे शहर की नूरी जामा मस्जिद के नेतृत्व में मुस्लिम समाज ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मस्जिद से जनपद चौक तक रैली निकालकर आतंकवाद के खिलाफ नारेबाजी की प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तान मुर्दाबाद और आतंकवाद मुर्दाबाद नीम का पत्ता कड़वा पकिस्तान भाडवा के नारे गूंजते रहे। रैली के समापन पर जनपद चौक पर राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार ऋचा कौरव को सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर की बैसरन घाटी में आतंकियों ने निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी थी। जिसकी मुस्लिम समाज घोर निंदा करता है। साथ ही मांग की गई है। कि इस जघन्य कृत्य में शामिल आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। नूरी जामा मस्जिद प्रबंधन समिति की ओर से जारी ज्ञापन मे इस प्रकार की घटनाएं इंसानियत के खिलाफ बताया है। बल्कि इस्लाम धर्म कभी भी निर्दोषों की हत्या की इजाजत नही देना बताया है। मुस्लिम समाज ने साफ किया कि आतंकवाद का कोई मजहब नहीं होता। और ऐसे कृत्यों का समर्थन करना इंसानियत से गद्दारी है। प्रदर्शन पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहा। प्रशासन की मौजूदगी में रैली का समापन हुआ। और प्रदर्शनकारियों ने लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखी। प्रदर्शन के दौरान जामा मस्जिद सदर जाहिद पटेल, प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहम्मद आसीफ लंघा,पूर्व सेवादल अध्यक्ष इसराइल शाह , मोहम्मद शोएब, शोएब फाजलनी,मोहम्मद जावेद, जावेद लंघा, शेख जुनेद, शेख खालिक, जाहिद खान, सहित मुस्लिम समाज उपस्थित रहा।

कृषि की ताकत, उद्योग का सहारा
बढ़ेगा किसान, बढ़ेगा देश हमारा

कृषि-उद्योग समागम 2025

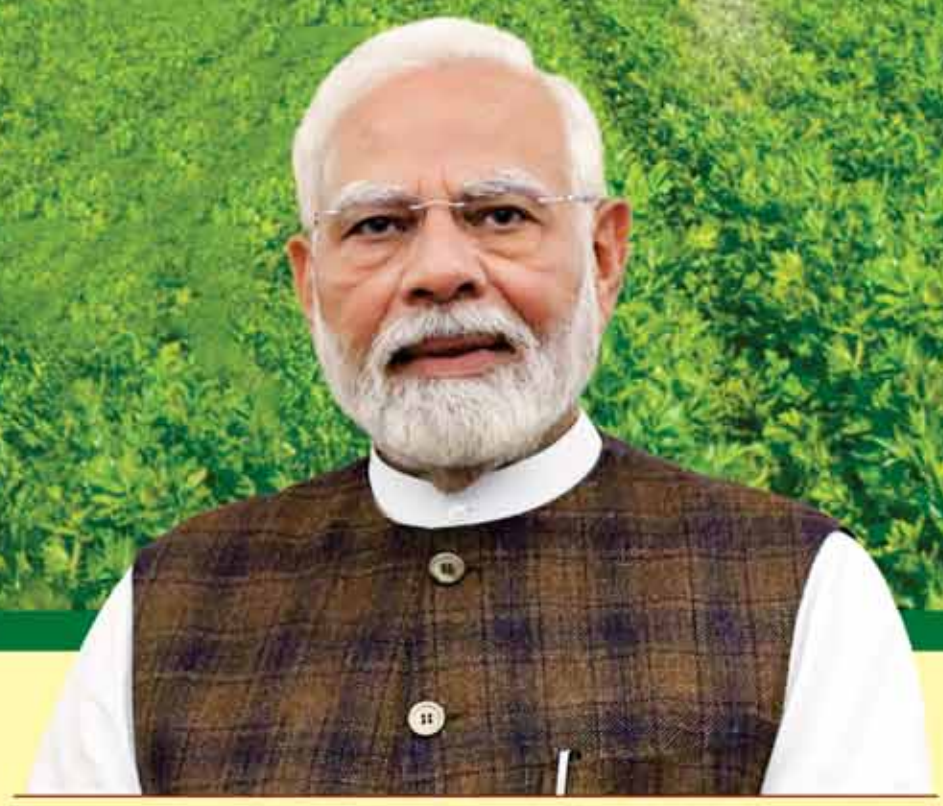

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

द्वारा

3 मई, 2025 | दोपहर 12:00 बजे
कृषि उपज मंडी ग्राउंड
सीतामऊ, मंदसौर

कृषि उद्योग समागम - किसानों के हित में नई पहल

तकनीक को प्रोत्साहन
किसान भाई-बहन एक ही मंच पर कृषि, उद्यानिकी एवं पशुपालन के, ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस युक्त आधुनिक यंत्रों एवं नवीनतम तकनीकों से परिचित होंगे

आधुनिक आदान को बढ़ावा
सिंचाई संयंत्र, बीजों की उन्नत एवं नवीनतम किस्मों तथा वैज्ञानिक रूप से विकसित फर्टिलाइजर्स की जानकारी से भी अवगत होंगे

कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण को नए आयाम
कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण की नवीनतम पद्धतियों, डेयरी टेक्नोलॉजी तथा मत्स्य पालन की आधुनिक तकनीकों की सटीक जानकारी एवं मार्गदर्शन

कृषि और उद्योग की साझेदारी
कृषि एवं उद्यानिकी फसल आधारित उद्योगों से जुड़े उद्यमी, किसान उत्पादक संगठन (FPO), क्रेता-विक्रेता, निर्यातक एवं किसान संगोष्ठी के माध्यम से तलाशेंगे साझेदारी के अवसर

किसान हित की योजनाओं में पंजीयन
फसल बीमा कंपनी, किसान क्रेडिट कार्ड एवं बैंकर्स द्वारा किसानों के साथ जानकारी साझा की जाएगी तथा किसान हित की योजनाओं में होगा किसानों का पंजीयन

D-11021/25 **सीधा प्रसारण** webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP #कृषि_उद्योग_समागम_MP

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025